



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 74] प्रयागराज, शनिवार, 28 नवम्बर, 2020 ई० (अग्रहायण 7, 1942 शक संवत्) [संख्या 47

विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

| विषय | पृष्ठ संख्या | वार्षिक चन्दा | विषय | पृष्ठ संख्या | वार्षिक चन्दा |
|---|--------------|---------------|--|--------------|---------------|
| सम्पूर्ण गजट का मूल्य | | रु० | | | रु० |
| भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस | 1227—1322 | 3075 | भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश | .. | 975 |
| भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया | 805—836 | 1500 | भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश | .. | 975 |
| भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय | | | भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये | | 975 |
| भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय | | | (ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट | | |
| भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण | .. | 975 | भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐक्ट | | |
| भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख—नगर पंचायत, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत | .. | 975 | भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये | | |
| | | | (ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट | | |
| | | | भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट | | 975 |
| | | | भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ | 315—318 | |
| | | | भाग 8—सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि | 685—698 | 975 |
| | | | स्टोर्स—पंचेज विभाग का क्रोड़ पत्र | .. | 1425 |

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

विधान सभा सचिवालय, उत्तर प्रदेश

[अधिष्ठान अनुभाग]

सेवा-निवृत्ति

02 नवम्बर, 2020 ई0

सं0 1346/वि0स0/अधि0/114/85-वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2, भाग-2 से 4 के मूल नियम-56 (क) के अन्तर्गत श्री रवेन्द्र कुमार शुक्ल, उप सचिव, विधान सभा सचिवालय, उत्तर प्रदेश, दिनांक 04 अक्टूबर, 2020 को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूरी करने के उपरान्त दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये।

सं0 1347/वि0स0/अधि0/92/86-वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2, भाग-2 से 4 के मूल नियम-56 (क) के अन्तर्गत श्रीमती सुषमा किरन यादव, उप सचिव, विधान सभा सचिवालय, उत्तर प्रदेश, दिनांक 14 अक्टूबर, 2020 को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूरी करने के उपरान्त दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गयी।

आज्ञा से,
प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव।

विधान परिषद् सचिवालय, उत्तर प्रदेश

प्रोन्नति/नियुक्ति

10 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 1337 (अधिष्ठान) वि0प0-47/20-उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/सेवानिवृत्ति आदेश संख्या 941/वि0प0-267/84, दिनांक 30 जून, 2020 के द्वारा रिक्त हुये उपसचिव के पद पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के प्राविधानानुसार नियम-6 (1-घ) के अधीन गठित समिति की संस्तुति पर माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा श्री राम सागर शुक्ल, अनुसचिव एवं समिति अधिकारी को उपसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (रु0 78,800-2,09,200) में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत कर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

2-उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/नियुक्ति आदेश संख्या 1255/अधि0, वि0प0-20/12, दिनांक 24 अगस्त, 2020 के द्वारा श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपसचिव के संयुक्त सचिव के पद पर पदोन्नति के फलस्वरूप रिक्त हुये उपसचिव के पद पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के प्राविधानानुसार नियम-6 (1-घ) के अधीन गठित समिति की संस्तुति पर माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा श्री रामनयन, अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी को उपसचिव के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (रु0 78,800-2,09,200) में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत कर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

11 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 1338 (अधिष्ठान) वि0प0-47/20-उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/नियुक्ति आदेश संख्या 1337/वि0प0-47/20 (अधि0), दिनांक 10 सितम्बर, 2020 द्वारा श्री राम सागर शुक्ल, अनुसचिव एवं समिति अधिकारी की उपसचिव के पद पर प्रोन्नति के फलस्वरूप रिक्त हुये अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के प्राविधानानुसार नियम-6 (1-घ) के अधीन गठित समिति की संस्तुति पर माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा श्री इरशाद हुसैन, अनुभाग अधिकारी को अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (रु0 67,700-2,08,700) में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत कर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

2-उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/नियुक्ति आदेश संख्या 1337/वि0प0-47/20 (अधि0), दिनांक 10 सितम्बर, 2020 द्वारा श्री रामनयन, अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी की उपसचिव के पद पर, प्रोन्नति के फलस्वरूप रिक्त हुये अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी के पद पर, उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के प्राविधानानुसार नियम-6 (1-घ) के अधीन गठित समिति की संस्तुति पर माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा श्रीमती अर्चना भटनागर, अनुभाग अधिकारी को

अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (रु0 67,700-2,08,700) में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत कर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

14 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 1356 (अधिष्ठान) वि0प0-47/20—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/नियुक्ति आदेश संख्या 1338/वि0प0-47/20 (अधि0), दिनांक 11 सितम्बर, 2020 द्वारा श्री इरशाद हुसैन, अनुभाग अधिकारी की अनुसचिव एवं समिति अधिकारी के पद पर प्रोन्नति के फलस्वरूप रिक्त हुये अनुभाग अधिकारी के पद पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के प्राविधानानुसार नियम-6 (1-घ) के अधीन गठित समिति की संस्तुति पर माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा श्री सतीश कुमार यादव, वरिष्ठतम समीक्षा अधिकारी को अनुभाग अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत कर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

2—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/नियुक्ति आदेश संख्या 1338/वि0प0-47/20 (अधि0), दिनांक 11 सितम्बर, 2020 द्वारा श्रीमती अर्चना भटनागर, अनुभाग अधिकारी की अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी के पद पर प्रोन्नति के फलस्वरूप रिक्त हुये अनुभाग अधिकारी के पद पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के प्राविधानानुसार नियम-6 (1-घ) के अधीन गठित समिति की संस्तुति पर माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश द्वारा श्री धर्मेन्द्र कुमार मिश्र, समीक्षा अधिकारी को अनुभाग अधिकारी के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत कर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

30 सितम्बर, 2020 ई0

सेवा-निवृत्ति

सं0 1479 (अधिष्ठान)/वि0प0-267/84 टी0सी0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय की विज्ञप्ति/सेवानिवृत्ति आदेश संख्या 2466/वि0प0-267/84, दिनांक 17 अक्टूबर, 2019 के क्रम में विधान परिषद् सचिवालय उत्तर प्रदेश के निम्न अधिकारी अपनी 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के पश्चात् दिनांक 30 सितम्बर, 2020 के अपरान्ह से सेवानिवृत्त हो गये।

1—श्री जय शेखर बाजपेई, विशेष सचिव,

2—श्रीमती अर्चना भटनागर, अनुसचिव एवं विधायी अधिकारी।

07 अक्टूबर, 2020 ई0

स्थायीकरण

सं0 1533/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में (कोषाध्यक्ष) वर्तमान में समीक्षा अधिकारी (लेखा) के पद पर स्थायी श्री समीर शर्मा को अनुभाग अधिकारी (लेखा) के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (रु0 56,100-1,77,500) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में अनुभाग अधिकारी (लेखा) के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अनुभाग अधिकारी (लेखा) के पद पर स्थायी किया जाता है। श्री शर्मा का स्थायीकरण के फलस्वरूप अन्य किसी संवर्ग में कोई धारणाधिकार नहीं होगा।

सं0 1534/वि0प0-56/95 अधि0—उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय में सम्पादक के पद पर स्थायी श्रीमती मंजू यादव को मुख्य सम्पादक के पद पर वेतन मैट्रिक्स लेवल-11 (रु0 67,700-2,08,700) में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सचिवालय, सेवा (भर्ती तथा सेवा की शर्तें) (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2019 के 33 (4) के अन्तर्गत विधान परिषद् सचिवालय में मुख्य सम्पादक के पद पर की गयी निरन्तर सेवा को संगणित करते हुये स्थायीकरण समिति की संस्तुति एवं माननीय सभापति, विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार मुख्य सम्पादक के पद पर स्थायी किया जाता है।

आज्ञा से,
डा0 राजेश सिंह,
प्रमुख सचिव।

प्राविधिक शिक्षा विभाग

अनुभाग-2

नियुक्ति

16 अक्टूबर, 2020 ई०

सं० 1004/सोलह-2-2020—प्राविधिक शिक्षा विभाग, (डिप्लोमा सेक्टर) उ०प्र० के अन्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक, उ०प्र० में प्रवक्ता प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के पदों पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित चयन के फलस्वरूप लोक सेवा आयोग, उ०प्र०, प्रयागराज की संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल, निम्नलिखित अभ्यर्थियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रवक्ता प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु० 5,400 में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये उनके नाम के सम्मुख अंकित तालिका के स्तम्भ-4 में अंकित संस्था में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

| क्र०सं० | अभ्यर्थी का नाम/ पिता का नाम | स्थायी पता | तैनाती की संस्था |
|-----------|--|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सर्वश्री— | | | |
| 1 | क्षितिज कुमार गुप्ता पुत्र श्री हरीश चंद्र गुप्ता | म०नं०-42, मोहल्ला-मिश्राना, पोस्ट- मड़ियाहू, जौनपुर, उत्तर प्रदेश-222161 | राजकीय पालीटेक्निक, चन्दौसी, सम्भल। |
| 2 | कृष्ण कुमार चौरसिया पुत्र श्री राम फकीर चौरसिया | ग्राम-मुगर डीह, थाना-बादशाहपुर, जौनपुर- 222202 | राजकीय पालीटेक्निक, चन्दौसी, सम्भल। |

2—सम्बन्धित अभ्यर्थियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उक्त वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे।

3—सम्बन्धित अभ्यर्थियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के दिनांक से एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लें अन्यथा उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी। कार्यभार ग्रहण करने हेतु सम्बन्धित अभ्यर्थी को किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

4—सम्बन्धित अभ्यर्थियों की पारस्परिक ज्येष्ठता सुसंगत नियमावली के प्राविधानों के अनुरूप बाद में निर्धारित की जायेगी।

5—सम्बन्धित अभ्यर्थी उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की विहित परिवीक्षा पर रहेंगे।

सं० 710/सोलह-2-2020—प्राविधिक शिक्षा विभाग, (डिप्लोमा सेक्टर) उ०प्र० के अन्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक, उ०प्र० में प्रवक्ता विद्युत अभियंत्रण के पदों पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित चयन के फलस्वरूप लोक सेवा आयोग, उ०प्र०, प्रयागराज की संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल, निम्नलिखित अभ्यर्थियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रवक्ता विद्युत अभियंत्रण के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु० 5,400 में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये उनके नाम के सम्मुख अंकित तालिका के स्तम्भ-4 में अंकित संस्था में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

| क्र०सं० | अभ्यर्थी का नाम/ पिता का नाम | स्थायी पता | तैनाती की संस्था |
|-----------|--|---|-----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सर्वश्री— | | | |
| 1 | नीरज कुमार पटेल पुत्र स्व० बेचन राम वर्मा | निकट कटार सिंह स्कूल, मो० पूरब टोला, पोस्ट व जिला बलरामपुर, 271201 | राजकीय पालीटेक्निक, बहराइच। |
| 2 | संतोष कुमार सिंह पुत्र श्री राजनाथ सिंह चौहान | एगजीक्यूटिव टावर, प्लैट नम्बर C 5, 17 B, बी टी बेलघरिया, कोलकाता, नॉर्थ 24 पिनडरा, वाराणसी। परगना, पश्चिम बंगाल-700056 | राजकीय पालीटेक्निक, कुरु, |

2—सम्बन्धित अभ्यर्थियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उक्त वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे।

3—सम्बन्धित अभ्यर्थियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के दिनांक से एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लें अन्यथा उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी। कार्यभार ग्रहण करने हेतु सम्बन्धित अभ्यर्थी को किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

4—सम्बन्धित अभ्यर्थियों की पारस्परिक ज्येष्ठता सुसंगत नियमावली के प्राविधानों के अनुरूप बाद में निर्धारित की जायेगी।

5—सम्बन्धित अभ्यर्थी उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की विहित परीक्षा पर रहेंगे।

आज्ञा से,
सुनील कुमार चौधरी,
विशेष सचिव।

माध्यमिक शिक्षा विभाग

अनुभाग-6

पदोन्नति

20 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 2096/15-6-2020-4(3)/2019—उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह 'ख' के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह 'क' के वेतनमान, वेतन बैंड-3 रु0 15,600 से 39,100 एवं ग्रेड वेतन रु0 6,600 में जिला विद्यालय निरीक्षक/समकक्ष स्तर के पद पर नियमित पदोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

| क्र0 | अधिकारी का नाम | ज्येष्ठता क्रमांक |
|------|----------------------------|-------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | श्री मुन्नी लाल | 299 |
| 2 | श्री मनोज कुमार | 451 |
| 3 | श्री हरि सिंह शाक्य | 453 |
| 4 | श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह | 487 |
| 5 | श्री अमरनाथ सिंह | 511 |
| 6 | श्री महेश चन्द्र | 519 |
| 7 | श्री ओम प्रकाश त्रिपाठी | 676 |
| 8 | श्री राकेश कुमार | 684 |
| 9 | श्री दिनेश कुमार यादव | 685 |
| 10 | श्री सूर्य प्रकाश जायसवाल | 686 |
| 11 | श्री राम सागर पति त्रिपाठी | 687 |
| 12 | श्री दल सिंगार यादव | 689 |
| 13 | श्री ओमकार | 690 |
| 14 | श्री मो0 अल्ताफ | 693 |
| 15 | श्री रावेन्द्र सिंह बघेल | 694 |
| 16 | श्री सच्चिदानन्द यादव | 695 |
| 17 | श्री विष्णु प्रताप सिंह | 699 |

2—उपरोक्त अधिकारियों की नवीन तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
आराधना शुक्ला,
अपर मुख्य सचिव।

चिकित्सा विभाग

अनुभाग-2

प्रभार

31 अगस्त, 2020 ई०

सं० 2364/सेक-2-पाँच-2020-1(6)/2016 टी०सी०-1-महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (प्रशिक्षण), उ०प्र०, लखनऊ के पद पर तैनात डा० बद्री विशाल अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर दिनांक 31 अगस्त, 2020 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अतएव, सम्यक् विचारोपरान्त महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (प्रशिक्षण), उ०प्र०, लखनऊ के पद का अतिरिक्त प्रभार अग्रिम आदेशों तक पूर्णतया अस्थायी व्यवस्था के अन्तर्गत डा० राकेश दुबे, महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ०प्र०, लखनऊ को हस्तगत किया जाता है।

2-डा० राकेश दुबे को इस हेतु कोई अतिरिक्त वेतन/भत्ता आदि देय नहीं होगा।

आज्ञा से,
अमित मोहन प्रसाद,
अपर मुख्य सचिव।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग

अनुभाग-8

अधिसूचना

18 सितम्बर, 2020 ई०

सं० 981/आठ-8-2020-09 एल०यू०सी०/2020-चूँकि, राज्य सरकार गोरखपुर विकास क्षेत्र के अन्तर्गत गोरखपुर महायोजना, 2021 में संशोधन करने के सम्बन्ध में आपत्तियाँ एवं सुझाव प्राप्त करने की सूचना दैनिक समाचार-पत्र "हिन्दुस्तान" एवं "आज" में दिनांक 15 जुलाई, 2020 को एवं शुद्धि-पत्र "हिन्दुस्तान" एवं "आज" में दिनांक 17 जुलाई, 2020 को प्रकाशित कराया गया था,

और चूँकि, उपर्युक्त सूचना में विनिर्दिष्ट समय के अन्दर जन सामान्य से कोई आपत्ति एवं सुझाव प्राधिकरण में प्रस्तुत नहीं किये गये, अतः प्रकरण में कोई आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त न होने की स्थिति में समिति के गठन का कोई औचित्य नहीं पाया गया।

अतएव अब, उत्तर प्रदेश राष्ट्रपति अधिनियम (परिष्कारों सहित पुनः अधिनियमित), 1974 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 30, सन् 1974) द्वारा परिष्कारों सहित यथा पुनः अधिनियमित उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 (राष्ट्रपति अधिनियम संख्या 11, सन् 1973) की धारा 13 की उपधारा (2) के अधीन शक्ति का प्रयोग करते हुये श्री राज्यपाल, गोरखपुर विकास क्षेत्रान्तर्गत, गोरखपुर महायोजना, 2021 में गोरखनाथ ओवर ब्रिज से गोरखनाथ से गोरखनाथ मन्दिर के उत्तरी गेट तक गोरखपुर महायोजना मार्ग की चौड़ाई 30.00 मी० से घटाकर 24.0 मी० करते हैं तथा इसके फलस्वरूप महायोजना मार्गाधिकार से अवमुक्त 6.0 मी० भूमि में से रोड के दोनों तरफ 3.0-3.0 मी० की भूमि का भू-उपयोग बाजार स्ट्रीट करते हुये अर्थात् मार्ग की संशोधित चौड़ाई 24.0 मी० के पश्चात् 18.0 मी० की गहराई तक बाजार स्ट्रीट भू-उपयोग के रूप में परिवर्तित करते हैं।

आज्ञा से,
दीपक कुमार,
प्रमुख सचिव।

परिवहन विभाग

अनुभाग-3

पदोन्नति

23 अक्टूबर, 2020 ई०

सं० 84/2020/3649/30-3-2020-63जीई/2017-कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से परिवहन आयुक्त संगठन के निम्नलिखित अपर परिवहन आयुक्तगण को नियमित चयनोपरान्त विशेष सचिव, परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन अपीलीय प्राधिकारी, वेतन बैंड-4 रु० 37,400-67,000 एवं ग्रेड वेतन रु० 10,000, पुनरीक्षित पे मैट्रिक्स लेवल-14 के पद पर पदोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(1) श्री विनय कुमार सिंह, अपर परिवहन आयुक्त (आई०टी०), उत्तर प्रदेश।

(2) श्री गंगाफल, अपर परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा), उत्तर प्रदेश।

2—उपरोक्त अधिकारीगण अपनी तैनाती के स्थान पर ही प्रोन्नत पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे और इनकी तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
राजेश कुमार सिंह,
प्रमुख सचिव।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

अनुभाग-1

सेवा-निवृत्ति

30 सितम्बर, 2020 ई०

सं० 1096/81-1-2020-33/2016—भारतीय वन सेवा के निम्नलिखित अधिकारी तालिका के कालम-5 में उल्लिखित तिथि से 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होंगे :

| क्र०सं० | अधिकारी का नाम | पदनाम | जन्म-तिथि | सेवा-निवृत्ति तिथि |
|---------|----------------------|---|------------|--------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | सर्वश्री— | | | |
| 1 | ज्ञान प्रकाश सिंह | वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी, कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग, बहराइच | 02-01-1961 | 31-01-2021 |
| 2 | एस०एन० सिंह | क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ०प्र० वन निगम, गोरखपुर | 15-01-1961 | 31-01-2021 |
| 3 | विद्या सागर प्रसाद | मुख्य वन संरक्षक, नीति विश्लेषण एवं समन्वयक, उ०प्र०, लखनऊ | 15-01-1961 | 31-01-2021 |
| 4 | प्रभाकर दूबे | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं कृषि वानिकी, उ०प्र०, लखनऊ | 18-01-1961 | 31-01-2021 |
| 5 | ललित कुमार गिरी | प्रभागीय वनाधिकारी, कानपुर देहात वन प्रभाग, कानपुर देहात | 01-03-1961 | 28-02-2021 |
| 6 | राजीव मिश्रा | वन संरक्षक, सम्बद्ध कार्यालय, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उ०प्र०, लखनऊ | 02-03-1961 | 31-03-2021 |
| 7 | मनोज कुमार खरे | प्रभागीय वनाधिकारी, अयोध्या वन प्रभाग, अयोध्या | 11-03-1961 | 31-03-2021 |
| 8 | महेन्द्र प्रताप सिंह | प्रभागीय वनाधिकारी, रेनुकूट वन प्रभाग, रेनुकूट-सोनभद्र | 05-05-1961 | 31-05-2021 |
| 9 | के० प्रवीण राव | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, आगरा जोन, आगरा | 07-05-1961 | 31-05-2021 |
| 10 | अजय कुमार | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, आडिट एवं नानप्लान, उ०प्र०, लखनऊ | 16-05-1961 | 31-05-2021 |
| 11 | संजीव कुमार-I | प्रभागीय निदेशक, सा०वा० प्रभाग, पीलीभीत | 25-06-1961 | 30-06-2021 |
| 12 | भारत लाल | प्रभागीय निदेशक, सा०वा० वन प्रभाग, बरेली | 09-09-1961 | 30-09-2021 |
| 13 | अतुल जिन्दल | महाप्रबन्धक (विपणन), उ०प्र० वन निगम, लखनऊ | 02-10-1961 | 31-10-2021 |
| 14 | जी० सुधाकर | महाप्रबन्धक, कार्मिक, उ०प्र० वन निगम, लखनऊ | 27-11-1961 | 30-11-2021 |
| 15 | सुनील पाण्डेय | प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव/मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, उ०प्र०, लखनऊ | 04-12-1961 | 31-12-2021 |
| 16 | अरविन्द गुप्ता | मुख्य वन संरक्षक, नियोजन, उ०प्र०, लखनऊ | 15-12-1961 | 31-12-2021 |

आज्ञा से,
के०एल० वर्मा,
संयुक्त सचिव।

ग्राम्य विकास विभाग

अनुभाग-1

नियुक्ति

09 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 R-412/38-1-2020-3518/2019—लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा, 2017 के आधार पर सीधी भर्ती के माध्यम से खण्ड विकास अधिकारी के पद पर चयन हेतु संस्तुत श्री धनंजय सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह को उत्तर प्रदेश प्रादेशिक विकास सेवा नियमावली, 1991 (यथासंशोधित) में विहित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन खण्ड विकास अधिकारी के मौलिक पद पर वेतनमान रु0 56,100-1,77,500, पे मैट्रिक्स 10 में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये उन्हें 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया भी जा सकता है) पर रखते हुये जनपद चित्रकूट में खण्ड विकास अधिकारी के रिक्त पद पर एतद्वारा तैनात किये जाने के आदेश श्री राज्यपाल प्रदान करते हैं।

2—सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कार्यालय आयुक्त, ग्राम्य विकास, 10वां तल, जवाहर भवन, उ0प्र0, लखनऊ में एक माह के अन्दर योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे एवं आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा उनकी तैनाती के जनपद में कार्य-भार ग्रहण करने हेतु कार्य-मुक्त किया जायेगा। निर्धारित अवधि के अन्दर कार्य-भार ग्रहण न करने पर यह समझा जायेगा कि वह खण्ड विकास अधिकारी के पद पर योगदान करने के इच्छुक नहीं है और तदनुसार उनका अभ्यर्थन निरस्त किये जाने पर विचार किया जायेगा।

3—सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी द्वारा जनपद में कार्य-भार ग्रहण करने के उपरान्त आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा उन्हें दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, उ0प्र0, लखनऊ में आधारभूत प्रशिक्षण कराया जायेगा।

4—सम्बन्धित अधिकारी तैनाती के जनपद में जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उन्हें जनपद में रिक्त विकास खण्डों के सापेक्ष तैनात किये जाने से पूर्व विभिन्न विकास खण्डों में वरिष्ठ खण्ड विकास अधिकारियों के साथ सम्बद्ध कर ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में 01 माह का आधारभूत प्रशिक्षण दिलाये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायेगी।

5—सम्बन्धित अधिकारी द्वारा समस्त शैक्षिक अभिलेख, आयु सम्बन्धी प्रमाण-पत्र और चरित्र सम्बन्धी दो राजपत्रित अधिकारियों के प्रमाण-पत्रों को कार्य-भार ग्रहण करते समय उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। ऐसे अधिकारी जो पूर्व से किसी सेवा में हैं उन्हें पूर्व नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

6—सम्बन्धित अधिकारी की सेवा शर्तें शासन की प्रचलित नियमावलियों एवं लागू शासनादेशों के अधीन होंगी। सम्बन्धित अधिकारी को तैनाती के जनपद तक जाने/पहुँचने हेतु कोई मार्ग व्यय अथवा यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

7—सम्बन्धित अधिकारियों की ज्येष्ठता पृथक् से निर्धारित की जायेगी।

सं0 R-413/38-1-2020-3518/2019—लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा, 2017 के आधार पर सीधी भर्ती के माध्यम से खण्ड विकास अधिकारी के पद पर चयन हेतु संस्तुत श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह पुत्र श्री राम कैलाश सिंह को उत्तर प्रदेश प्रादेशिक विकास सेवा नियमावली, 1991 (यथासंशोधित) में विहित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन खण्ड विकास अधिकारी के मौलिक पद पर वेतनमान रु0 56,100-1,77,500, पे मैट्रिक्स 10 में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये उन्हें 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया भी जा सकता है) पर रखते हुये जनपद बहराइच में खण्ड विकास अधिकारी के रिक्त पद पर एतद्वारा तैनात किये जाने के आदेश श्री राज्यपाल प्रदान करते हैं।

2—सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कार्यालय आयुक्त, ग्राम्य विकास, 10वां तल, जवाहर भवन, उ0प्र0, लखनऊ में एक माह के अन्दर योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे एवं आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा उनकी तैनाती के जनपद में कार्य-भार ग्रहण करने हेतु कार्य-मुक्त किया जायेगा। निर्धारित अवधि के अन्दर कार्य-भार ग्रहण न करने पर यह समझा जायेगा कि वह खण्ड विकास अधिकारी के पद पर योगदान करने के इच्छुक नहीं है और तदनुसार उनका अभ्यर्थन निरस्त किये जाने पर विचार किया जायेगा।

3—सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी द्वारा जनपद में कार्य-भार ग्रहण करने के उपरान्त आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा उन्हें दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, उ0प्र0, लखनऊ में आधारभूत प्रशिक्षण कराया जायेगा।

4—सम्बन्धित अधिकारी तैनाती के जनपद में जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष योगदान आख्या प्रस्तुत करेंगे। जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उन्हें जनपद में रिक्त विकास खण्डों के सापेक्ष तैनात किये जाने से पूर्व विभिन्न विकास खण्डों में वरिष्ठ खण्ड विकास अधिकारियों के साथ सम्बद्ध कर ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में 01 माह का आधारभूत प्रशिक्षण दिलाये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायेगी।

5—सम्बन्धित अधिकारी द्वारा समस्त शैक्षिक अभिलेख, आयु सम्बन्धी प्रमाण-पत्र और चरित्र सम्बन्धी दो राजपत्रित अधिकारियों के प्रमाण-पत्रों को कार्य-भार ग्रहण करते समय उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। ऐसे अधिकारी जो पूर्व से किसी सेवा में हैं उन्हें पूर्व नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

6—सम्बन्धित अधिकारी की सेवा शर्तें शासन की प्रचलित नियमावलियों एवं लागू शासनादेशों के अधीन होंगी। सम्बन्धित अधिकारी को तैनाती के जनपद तक जाने/पहुँचने हेतु कोई मार्ग व्यय अथवा यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

7—सम्बन्धित अधिकारियों की ज्येष्ठता पृथक् से निर्धारित की जायेगी।

आज्ञा से,
मनोज कुमार सिंह,
अपर मुख्य सचिव।

संशोधन

29 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 R-407/38-1-2020-03 पदोन्नति/2012 टी0सी0—उत्तर प्रदेश प्रादेशिक विकास सेवा संवर्ग के वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 5,400 (सातवां वेतन में पे-मैट्रिक्स लेवल-10 वेतनमान रु0 56,100-1,77,500) से वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 6,600 (सातवां वेतन में पे-मैट्रिक्स लेवल-11 वेतनमान रु0 67,700-2,08,700) के पद पर कार्यालय ज्ञाप संख्या आर-757/38-1-2019-01 पदोन्नति/2017, दिनांक 24 अक्टूबर, 2019 द्वारा पदोन्नत श्री वेद प्रकाश मौर्य को उनसे कनिष्ठ डा0 हरिचरण सिंह की प्रोन्नति तिथि 24 जुलाई, 2012 से नोशनल (प्राकल्पित) रूप से नियमित पदोन्नति के श्री राज्यपाल सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

2—उक्त सीमा तक उक्त विज्ञप्ति/पदोन्नति विषयक आदेश दिनांक 24 अक्टूबर, 2019 संशोधित समझा जाय। शेष अंश यथावत् रहेंगे।

सं0 R-408/38-1-2020-03 पदोन्नति/2012 टी0सी0—उत्तर प्रदेश प्रादेशिक विकास सेवा संवर्ग के वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 5,400 (सातवां वेतन में पे-मैट्रिक्स लेवल-10 वेतनमान रु0 56,100-1,77,500) से वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 6,600 (सातवां वेतन में पे-मैट्रिक्स लेवल-11 वेतनमान रु0 67,700-2,08,700) के पद पर कार्यालय ज्ञाप संख्या आर-1553/38-1-2017-01 पदोन्नति/2017, दिनांक 03 अक्टूबर, 2017 द्वारा पदोन्नत श्री महेश नारायण पाण्डेय को उनसे कनिष्ठ श्री कृष्ण पाण्डेय की प्रोन्नति तिथि 04 जुलाई, 2012 से नोशनल (प्राकल्पित) रूप से नियमित पदोन्नति के श्री राज्यपाल सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

2—उक्त सीमा तक उक्त विज्ञप्ति/पदोन्नति विषयक आदेश दिनांक 03 अक्टूबर, 2017 संशोधित समझा जाय। शेष अंश यथावत् रहेंगे।

सं0 R-409/38-1-2020-03 पदोन्नति/2012 टी0सी0—उत्तर प्रदेश प्रादेशिक विकास सेवा संवर्ग के वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 5,400 (सातवां वेतन में पे-मैट्रिक्स लेवल-10 वेतनमान रु0 56,100-1,77,500) से वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 6,600 (सातवां वेतन में पे-मैट्रिक्स लेवल-11 वेतनमान रु0 67,700-2,08,700) के पद पर कार्यालय ज्ञाप संख्या 205/38-1-2014-03 पदोन्नति/2012, दिनांक 21 फरवरी, 2014 द्वारा पदोन्नत श्री विजय प्रकाश वर्मा को उनसे कनिष्ठ श्री अनिल कुमार सिंह की प्रोन्नति तिथि 20 नवम्बर, 2012 से नोशनल (प्राकल्पित) रूप से नियमित पदोन्नति के श्री राज्यपाल सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

2—उक्त सीमा तक उक्त विज्ञप्ति/पदोन्नति विषयक आदेश दिनांक 21 फरवरी, 2014 संशोधित समझा जाय। शेष अंश यथावत् रहेंगे।

आज्ञा से,
अच्छे लाल सिंह यादव,
विशेष सचिव।

मत्स्य उत्पादन विभाग

पदोन्नति

12 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 35/2020/1124/सत्रह-म-2020-10-7(10)/86 टी0सी0—श्री राज्यपाल महोदया, अपर सांख्यिकीय अधिकारी के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त श्री उग्रसेन सिंह को चयन समिति की संस्तुति के आधार पर अर्थ एवं संख्याधिकारी, वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 5,400 (पुनरीक्षित वेतनमान मैट्रिक्स लेवल-10) के पद पर कार्यभार ग्रहण करने तिथि से नियमित रूप से पदोन्नत करते हुये अर्थ एवं संख्याधिकारी, मत्स्य निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ के रिक्त पद पर एतद्वारा तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—उक्त नव पदोन्नत अधिकारी कार्यभार ग्रहण कर, कार्यभार-प्रमाणक शासन एवं निदेशक, मत्स्य निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे।

आज्ञा से,
भुवनेश कुमार,
प्रमुख सचिव।

उपभोक्ता संरक्षण एवं बॉट माप विभाग

अनुभाग-1

प्रोन्नति

22 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 685/चौरासी-1-2020-33/2017—श्री लव कुमार पाण्डेय, सहायक नियंत्रक ग्रेड-1, प्रयागराज मण्डल को नियमित चयनोपरान्त उप नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान विभाग के पद पर वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 6,600 (सम्प्रति पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-11) में प्रोन्नति प्रदान करने की राज्यपाल महोदया सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं। प्रोन्नति के पद पर योगदान देने की तिथि से ही उन्हें उप नियंत्रक के पद पर प्रोन्नत माना जायेगा।

2—श्री लव कुमार पाण्डेय के तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
अखण्ड प्रताप सिंह,
विशेष सचिव।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग

अनुभाग-1

पदोन्नति

21 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 313/18-1-20-25 (83)/2017—उ0प्र0 उद्योग सेवा श्रेणी-1 के उपायुक्त उद्योग के पद पर कार्यरत निम्न अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से संयुक्त आयुक्त उद्योग के अस्थायी पद पर वेतन वैण्ड-3, रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 7,600, पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-12 (रु0 78,800-2,09,200) में पदोन्नत करते हुये एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :

| क्रमांक | अधिकारी का नाम/पदनाम |
|---------|---|
| 1 | श्रीमती अमिता वर्मा, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्सा0 तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, बिजनौर |
| 2 | श्री लालजीत सिंह, उपायुक्त उद्योग, उद्योग निदेशालय (मुख्यालय), उ0प्र0, कानपुर |
| 3 | श्री बीरेन्द्र कुमार, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, गाजियाबाद |

2—सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने नवप्रोन्नत पद पर कार्यभार ग्रहण कर इसकी सूचना शासन को उपलब्ध करायें। ये नवप्रोन्नत संयुक्त आयुक्त, उद्योग अपने वर्तमान तैनाती जनपद से ही पद एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

आज्ञा से,
नवनीत सहगल,
अपर मुख्य सचिव।

अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग

अनुभाग-2

संशोधन

19 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 949/52-2-2020-12 (नि0)/2019—सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2016 के आधार पर लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों के पद के लिये चयनित तथा नियुक्ति हेतु संस्तुत अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के पद पर रु0 9,300-34,800, ग्रेड पे 4,800, लेवल-8 के वेतनमान में उनके नाम के सम्मुख अंकित कॉलम-3 में अंकित जनपद में नियुक्त करते हुये

अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ, अनुभाग-2 के विज्ञप्ति/नियुक्ति संख्या 1156/52-2-2019-12 (नि0)/2019, दिनांक 30 अक्टूबर, 2019 एवं विज्ञप्ति/नियुक्ति संख्या 927/52-2-2019-1 (59)/2010 टी0सी0, दिनांक 30 जुलाई, 2019 द्वारा दो वर्ष की परीक्षा, जिसे नियमानुसार बढ़ाया भी जा सकता है, पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा किये गये अनुरोध पर सम्यक् विचारोपरान्त तैनाती स्थान में संशोधन करते हुये कालम-4 में अंकित जनपद में तैनात किया जाता है :

| क्र0सं0 | अधिकारी का नाम | तैनाती जनपद | वर्तमान तैनाती जनपद |
|---------|----------------------|-------------|---------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | सुश्री पूजा पाल | श्रावस्ती | बस्ती |
| 2 | सुश्री आकांक्षा दुबे | बलिया | उन्नाव |

आज्ञा से,
डी0एस0 उपाध्याय,
विशेष सचिव।

व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग

नियुक्ति

02 नवम्बर, 2020 ई0

सं0 99/2020/2476/89-व्या0शि0 एवं कौ0वि0वि0-2020-169(एम)/2014-लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा राज्य प्रशिक्षण सेवा श्रेणी-2 के अन्तर्गत प्रधानाचार्य श्रेणी-2/उप प्रधानाचार्य/प्राविधिक अधिकारी (सहायक निदेशक) के पद पर सीधी भर्ती के द्वारा किये गये चयन के फलस्वरूप आयोग द्वारा की गयी संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल महोदया निम्नलिखित चयनित अभ्यर्थी को उत्तर प्रदेश राज्य प्रशिक्षण सेवा श्रेणी-2 के अन्तर्गत वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 5,400 (पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10) में प्रधानाचार्य श्रेणी-2/उप प्रधानाचार्य/प्राविधिक अधिकारी (सहायक निदेशक) के पद पर निम्न शर्तों के साथ अस्थायी रूप से नियमित नियुक्ति करते हुये उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में अंकित संस्थान में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती है :

| क्रमांक | नाम | पता | तैनाती का स्थान |
|---------|---------------------|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | श्रीमती हेमलता यादव | बसेरा कालोनी, नगला रामबल, निकट मंडी समिति रामबाग, आगरा, उ0प्र0 | प्रधानाचार्य श्रेणी-2, रा0औ0प्र0 संस्थान, जसवंतनगर, इटावा। |

2-उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 अपनी योगदान आख्या सम्बन्धित संयुक्त निदेशक (प्रशि0/शिक्षु0) के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

3-उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 द्वारा तैनाती स्थल पर 30 दिन के अन्दर कार्यभार ग्रहण न करने पर नियुक्ति आदेश स्वयमेव समाप्त माना जायेगा।

4-उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को उत्तर प्रदेश राज्य (श्रम विभाग) सेवा नियमावली, 1981 तृतीय संशोधन, 2007 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखा जाता है।

5-उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को उल्लिखित वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेश के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते, जो भी हों, देय होंगे।

6-उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7-उत्तर प्रदेश अस्थायी/स्थानापन्न सेवायें अस्थायी सरकारी सेवा (सेवा समाप्ति) नियमावली, 1975 के अन्तर्गत किसी समय सरकारी सेवक द्वारा नियुक्ति प्राधिकारी को अथवा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा सरकारी सेवक को दी गई नोटिस द्वारा सेवायें समाप्त की जा सकेंगी।

8-उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र/घोषणा-पत्र प्रस्तुत करने होंगे-

- (1) दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- (2) ओथ ऑफ एलीजियेन्स का प्रमाण-पत्र।
- (3) चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- (4) एक से अधिक जीवित पति न होने का शपथ-पत्र।

9—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 की ज्येष्ठता उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से प्राप्त वरिष्ठता क्रम तथा नियमावली की व्यवस्था के आधार पर बाद में निर्धारित की जायेगी।

सं0 100/2020/3034/89-व्या0शि0 एवं कौ0वि0वि0-2020-169(एम)/2014—लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा राज्य प्रशिक्षण सेवा श्रेणी-2 के अन्तर्गत प्रधानाचार्य श्रेणी-2/उप प्रधानाचार्य/प्राविधिक अधिकारी (सहायक निदेशक) के पद पर सीधी भर्ती के द्वारा किये गये चयन के फलस्वरूप आयोग द्वारा की गयी संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल महोदया निम्नलिखित चयनित अभ्यर्थी को उत्तर प्रदेश राज्य प्रशिक्षण सेवा श्रेणी-2 के अन्तर्गत वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 5,400 (पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-10) में प्रधानाचार्य श्रेणी-2/उप प्रधानाचार्य/प्राविधिक अधिकारी (सहायक निदेशक) के पद पर निम्न शर्तों के साथ अस्थायी रूप से नियमित नियुक्ति करते हुये उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में अंकित संस्थानों में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं :

| क्रमांक | नाम | पता | तैनाती का स्थान |
|---------|-------------------|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | श्री गुंजन गुप्ता | निकट मेरी चिन्ड्रेन ऐकेडमी स्कूल, पोस्ट आफिस-नवाबगंज, बरेली, उ0प्र0 | प्रधानाचार्य श्रेणी-2, रा0औ0प्र0 संस्थान, पट्टी, प्रतापगढ़। |

2—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 अपनी योगदान आख्या सम्बन्धित संयुक्त निदेशक (प्रशि0/शिक्षु0) के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

3—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 द्वारा तैनाती स्थल पर 30 दिन के अन्दर कार्यभार ग्रहण न करने पर नियुक्ति आदेश स्वयमेव समाप्त माना जायेगा।

4—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को उत्तर प्रदेश राज्य (श्रम विभाग) सेवा नियमावली, 1981 तृतीय संशोधन, 2007 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखा जाता है।

5—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को उल्लिखित वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेश के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते, जो भी हों, देय होंगे।

6—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

7—उत्तर प्रदेश अस्थायी/स्थानापन्न सेवायें अस्थायी सरकारी सेवा (सेवा समाप्ति) नियमावली, 1975 के अन्तर्गत किसी समय सरकारी सेवक द्वारा नियुक्ति प्राधिकारी को अथवा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा सरकारी सेवक को दी गई नोटिस द्वारा सेवायें समाप्त की जा सकेंगी।

8—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 को कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र/घोषणा-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- (1) दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- (2) ओथ ऑफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- (3) चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- (4) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का शपथ-पत्र।

9—उपरोक्त प्रधानाचार्य श्रेणी-2 की ज्येष्ठता उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से प्राप्त वरिष्ठता क्रम तथा नियमावली की व्यवस्था के आधार पर बाद में निर्धारित की जायेगी।

आज्ञा से,
हरिकेश चौरसिया,
विशेष सचिव।

आयुष विभाग

अनुभाग-1

नियुक्ति/तैनाती

01 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 2550 (230)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-230 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000209189) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री दिव्या सागर पुत्री श्री रविन्द्र कुमार सागर, निवासी-4/65, विपुल खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226010 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, गांगेपुर, बरेली में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बरेली के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का

उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

07 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 2550 (231)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-231 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000200596) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री शालिनी पुत्री श्री छक्कू राम, निवासी-1142, आराधना, सेक्टर-3, एलडिको-II, रायबरेली रोड, लखनऊ, उ0प्र0-226025 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, भीषमपुर, लखीमपुर खीरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (234)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-234 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000277428) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री आकाश कुमार गुप्ता पुत्र श्री सन्तोष कुमार गुप्ता, निवासी-विशाल जनरल स्टोर, स्टेशन रोड, तिकुनियां-खीरी, जिला-लखीमपुर, उ0प्र0-262906 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, धुधचाई, पीलीभीत में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, पीलीभीत के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (243)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-243 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000311713) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री राजतिलक तिवारी पुत्र श्री मइयादीन तिवारी, निवासी-ग्राम-अकौना, थाना-राठ, जिला-हमीरपुर, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, भारतगंज, प्रयागराज में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, प्रयागराज के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (245)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-245 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000060183) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री मनोज कुमार पुत्र श्री राम कुमार, निवासी-ग्राम-गौरा जलालपुर, पोस्ट-जार, तहसील-महोली, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अंजनी, बरेली में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बरेली के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना

देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (246)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-246 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000210909) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री बृजेश कुमार पुत्र श्री राजवीर सिंह, निवासी-आवास नं0-366, रामवली कालोनी, पोस्ट व जिला-कासगंज, उ0प्र0-207123 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, करतला, एटा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, एटा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (262)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-262 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000075556) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री मीनाक्षी पुत्री श्री शिव प्रकाश, निवासी-म0नं0-65-क, ग्राम व पोस्ट-पिछौरा, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261121 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, दौलतपुर, हरदोई में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हरदोई के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (265)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-265 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000009854) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री रोली गर्ग पुत्री श्री शिव नारायण अग्रवाल, निवासी-245, एम0एम0आई0जी0, रामनगर कालोनी, ऐशबाग, लखनऊ को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, दसगवा, उन्नाव में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, उन्नाव के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (267)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-267 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000168254) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री अर्पणा सिंह पुत्री श्री शिवनन्दन सिंह, निवासी-61, रेलवे कालोनी, बालागंज, चौक, लखनऊ-226003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, लिलसी, सीतापुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सीतापुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (274)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-274 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000124904) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती सन्ध्या दीक्षित पत्नी श्री आशीष द्विवेदी, निवासी-ग्राम-बलीपुर, पोस्ट-जगापुर, हीरागंज, कुण्डा, प्रतापगढ़, उ0प्र0-230204 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, छतोह, रायबरेली में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, रायबरेली के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (275)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-275 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000307613) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री आस्था वर्मा पुत्री स्व0 महेश कुमार वर्मा, निवासी-279, न्यू कालोनी, निकट शुगर फैक्ट्री, तहसील-बिसवाँ, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261201 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, छिबरामऊ, हरदोई में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।

- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हरदोई के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
- यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (278)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-278 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000282411) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री धर्मेन्द्र कुमार पुत्र श्री विन्देश्वर प्रसाद यादव, निवासी-C/o डा0 एम0एल0 सिंह, एन-8/206, आर-1, प्रज्ञा नगर, सुन्दरपुर, जिला-वाराणसी, उ0प्र0-221005 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, विद्या भवन नारायण, बलिया में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बलिया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (282)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-282 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000161084) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री विनय कुमार भारती पुत्र श्री सोबरन लाल, निवासी-311, ए-ब्लाक, अम्बेडकर नगर, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, रामपुर-गोकुल, लखीमपुर खीरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (284)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-284 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000322117) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती मीनू मिश्रा पत्नी डा0 अमित कुमार पाण्डेय, निवासी-129, ग्राम व पोस्ट-गौरामाजी, जिला-प्रतापगढ़, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, गुमांवा, सुलतानपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सुलतानपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (286)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-286 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000238474) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री नरेन्द्र कुमार रावत पुत्र स्व0 राम कुँवर रावत, निवासी-ई-1/152, विनय खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226010 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय

आयुर्वेदिक चिकित्सालय, चटियाधनवार, हरदोई में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हरदोई के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (288)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-288 पर अंकित

(रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000179834) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री विवेक अस्थाना पुत्र श्री अरुण कुमार अस्थाना, निवासी-34, हरदेवगंज, जिला-हरदोई, उ0प्र0-241001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मुण्डिया पवार, शाहजहाँपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (291)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र

संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-291 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000319909) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री अवध किशोर मिश्र पुत्र श्री त्रिपुरारि मिश्र, निवासी-439 के/4, बक्शी खुर्द, दारागंज, प्रयागराज, उ0प्र0-211006 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, रामनगर भोजपुर, प्रतापगढ़ में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, प्रतापगढ़ के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (299)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-299 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000197803) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती श्रद्धा जैन पत्नी श्री सिद्धार्थ जैन, निवासी-श्री डी0के0 जैन, 86, पखारन, गांधी रोड, खोवा मण्डी, जिला-झांसी, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मैलोनी सूवा, ललितपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, ललितपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या

2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (303)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-303 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000089179) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री शशिकान्त पाल पुत्र श्री सम्पत्ति राम, निवासी-ग्राम-नैठी पचवा, पोस्ट-अदलहाट, तहसील-चुनार, जिला-मिर्जापुर, उ0प्र0-231302 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नौडिहा, सोनभद्र में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सोनभद्र के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का

उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (305)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-305 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000142946) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री वसुन्धरा शर्मा पुत्री श्री विनोद कुमार शर्मा, निवासी-39/88-बी, फर्स्ट फ्लोर, ओल्ड ईदगाह कालोनी, जिला-आगरा, उ0प्र0-282001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नावली, मथुरा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मथुरा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (306)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-306 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000076059) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री श्वेता गुप्ता पुत्री श्री हरी शंकर गुप्ता, निवासी-135/1ए, सी0पी0 मिशन कम्पाउण्ड, रेलवे लाइन के पास, जिला-झांसी, उ0प्र0-284003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मोहाना, जालौन में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जालौन के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (307)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-307 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000333991) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री शिवम गुप्ता पुत्र श्री कौशल किशोर गुप्ता, निवासी-क्लाथ स्टोर, स्टेशन रोड, नया बाजार, कर्वी, जिला-चित्रकूट, उ0प्र0-210205 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सवलपुर, फर्रुखाबाद में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, फर्रुखाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (308)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-308 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000266088) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री उत्कर्ष आर्य पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद आर्य, निवासी-9-ख, शनीचर बाजार, पोस्ट व थाना-फूलपुर, तहसील-फूलपुर, जनपद-आजमगढ़, उ0प्र0-276304 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, राजेसुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अम्बेडकरनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (311)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-311 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000123233) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री प्रीति सिंह पुत्री श्री मूलचन्द्र, निवासी-1182, चांदगेट बाहर, नई बस्ती, झांसी, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कनकुआ, महोबा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हमीरपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना

देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (314)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-314 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000080567) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री स्वप्निल सक्सेना पुत्री श्री संजय सक्सेना, निवासी-प्लैट नं0-504 ए, अग्रसेन हाईट्स, सीतापुर रोड, लखनऊ, उ0प्र0-226021 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मढपुरा, कन्नौज में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, कन्नौज के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (317)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-317 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000152147) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री सालिहा सिद्दीकी पुत्री श्री इसमत अली सिद्दीकी, निवासी-443, मो0-महाराज नगर, लखीमपुर, जिला-खीरी, उ0प्र0-262701 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जसपुर सरियों, कन्नौज में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, कन्नौज के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (318)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-318 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000067274) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री मोनिका श्रेष्ठा पुत्री श्री चन्द्र बहादुर श्रेष्ठा, निवासी-नेपाली कोठी, फूल वाली गली, चौक, लखनऊ-226003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, वीरसिंहपुर, शाहजहांपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहांपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
 (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
 (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
 (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (323)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-323 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000003619) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री राजीव कुमार सिंह पुत्र श्री लल्लन सिंह, निवासी-Q 801, सेलेब्रिटी मीडोउस, सेक्टर-ए 3, सुशांत गोल्फ सिटी, अंसल ए0पी0टी0, लखनऊ-226030 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पहुंती, अम्बेडकरनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अम्बेडकरनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (324)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-324 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000077572) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती ममता वर्मा पत्नी श्री आशुतोष राज, निवासी-सी-3378, राजाजीपुरम्, लखनऊ-226017 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मलौना, उन्नाव में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।

- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, उन्नाव के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
- यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (327)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-327 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000328652) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री कृष्ण गोपाल पुत्र श्री भोला नाथ, निवासी-एल-1/144, विनीतखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ-226010 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, केशवपुर, अम्बेडकरनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अम्बेडकरनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (332)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-332 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000130543) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री अमरेश कुमार मिश्र पुत्र श्री चन्द्रबली मिश्र, निवासी-सी-2, श्री साई अपार्टमेन्ट, करौंदी, जिला-वाराणसी, उ0प्र0-221005 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, रेवती, बलिया में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बलिया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (335)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-335 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000376048) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती सोनल चौधरी पत्नी डा0 सौरभ राय, निवासी-29, रायल सिटी, औरंगाबाद जागीर, बिजनौर रोड, लखनऊ-226002 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, ब्योधनबुजुर्ग, बरेली में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बरेली के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (340)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-340 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000279082) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री रितिका मिश्रा पुत्री श्री संजय कुमार मिश्रा, निवासी-115, रामपुर उदयभान, माधोपुर, नई बस्ती, बलिया, उ0प्र0-277001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कटिहारी बुजुर्ग, मऊ में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मऊ के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (346)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-346 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000111894) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री ज्योति मिश्रा पुत्री श्री नागेन्द्र प्रसाद मिश्र, निवासी-

गन्ना विकास स्कूल के पीछे, म0नं0-206 (तितौवा), खलीलाबाद, जिला-संतकबीर नगर, उ0प्र0-272175 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, महसों, बस्ती में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बस्ती के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (350)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-

11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-350 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000048269) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री अमिता सिंह पुत्री श्री राम लखन सिंह, निवासी-54/10, पूरा दलेल, बाघम्बरी रोड, प्रयागराज, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, घुटई, महोबा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हमीरपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (351)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-

11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-351 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000343979) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती अनामिका पत्नी डा० अनुपम श्रीवास्तव, निवासी-382/90A/18D, शिवाजी नगर, अल्लापुर, जिला-प्रयागराज, उ०प्र० को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कौहार, अमेठी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ०प्र० भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सुल्तानपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ०प्र० द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा० अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस०एस०/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस०एस०/2020, डा० रिनी भारद्वाज बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (356)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-356 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000197654) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री निशा गुप्ता पुत्री श्री लक्ष्मी रतन गुप्ता, निवासी-28/2, मोहल्ला-गांधी नगर, पोस्ट-उतरौला, जिला-बलरामपुर, उ0प्र0-271604 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मंगुरा बाजार, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या

2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (357)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-357 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000180991) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री विपुल शुक्ला पुत्र श्री सुरेन्द्र मोहन शुक्ला, निवासी-4/6 'A', कटरा नुनहाई, जिला-फर्रुखाबाद, उ0प्र0-209625 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सकरावा, कन्नौज में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, कन्नौज के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (358)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-358 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000146322) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री सुदीप तिवारी पुत्र श्री मुन्नीलाल तिवारी, निवासी-542/84, न्यू हैदरगंज कैम्पवेल रोड, चौक, लखनऊ, उ0प्र0-226003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बांकेगंज, लखीमपुर खीरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का

उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (366)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-366 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000150972) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री श्रृंखला श्रीवास्तवा पुत्री श्री कौशल कुमार श्रीवास्तव, निवासी-7/366, मऊ रोड, सिधारी, जिला-आजमगढ़, उ0प्र0-276001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सिसवाबरूआर, बस्ती में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बस्ती के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (374)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-374 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000252614) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री ऋचा सिंह पुत्री श्री राजेन्द्र सिंह, निवासी-1048/599, दरियाबाद, जिला-प्रयागराज, उ0प्र0-211003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पंचमपुर, बांदा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बांदा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (375)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-375 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000157179) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती दुर्गेश नन्दिनी सिंह पत्नी श्री अवधेश प्रताप सिंह, निवासी-ग्राम व पोस्ट-धवाकर मऊरानीपुर, थाना-लहचूरा, जिला-झांसी, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पिपरी कोलहुई, बलरामपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बलरामपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (381)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-381 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000277686) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री निशान्त कुमार मिश्रा पुत्र श्री लक्ष्मी शंकर मिश्रा, निवासी-म0नं0-771, विष्णु नगर, जिला-रायबरेली, उ0प्र0-229001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सैफाबाद, प्रतापगढ़ में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, प्रतापगढ़ के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (382)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-382 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000176989) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री आरती देवी पुत्री श्री वंशराज वर्मा, निवासी-1049, शिवनगर, अल्लाहपुर, प्रयागराज, उ0प्र0-211006 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, चौबेपुर, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना

देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (384)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-384 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000214696) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री नृपेन्द्र पाण्डेय पुत्र श्री राज बहादुर पाण्डेय, निवासी-25, चन्दीपुरवा, कैनाल रोड, जिला-हरदोई, उ0प्र0-241001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, विक्रमपुर, शाहजहांपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहांपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (386)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-386 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000164212) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्रीमती रेखा श्रीवास्तव पत्नी श्री योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, निवासी-655 एन/156, आदिल नगर, कुर्सी रोड, लखनऊ, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पसका, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (387)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-387 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000053563) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री निकेता गुप्ता पुत्री श्री उमाशंकर गुप्ता, निवासी-म0नं0-372/55, समराही रोड, सआदतगंज, लखनऊ-226003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सगरा बहुतेई, रायबरेली में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, रायबरेली के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (394)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-394 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000231939) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री दिलीप कुमार सिंह पुत्र श्री नागेन्द्र नारायण सिंह, निवासी-ग्राम-पाण्डेपुर, पोस्ट-कछवा बाजार, जिला-मिर्जापुर, उ0प्र0-231501 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, डिहवा, बलिया में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बलिया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
- यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (398)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-398 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000297316) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री जयश्री पाण्डेय पुत्री श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी, निवासी-186, ग्राम-जसवन, भरौत, हण्डिया, प्रयागराज, उ0प्र0-221502 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नौगो, संतकबीर नगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, संतकबीर नगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (402)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-402 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000159159) (ओ0बी0सी0) सुश्री ज्योत्स्ना चौरसिया पुत्री श्री जी0पी0 चौरसिया, निवासी-शिवाजी नगर, सेक्टर-2, न्यू कालोनी, पोस्ट-शिवपुरी, थाना-खोराबार, रानीबाग, रूस्तमपुर, जिला-गोरखपुर, उ0प्र0-273016 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, चन्द्रौटा, कुशीनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।

- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, कुशीनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (403)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-403 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000079905) (ओ0बी0सी0) श्री कुलदीप कुमार सोनी पुत्र श्री कमलेश्वरनाथ, निवासी-ग्राम व पोस्ट-बावन, मुहल्ला-भीखथोक, थाना-लोनार, जिला-हरदोई, उ0प्र0-241001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, डुडवा सुन्दरपुर, शाहजहांपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहांपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (405)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-405 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000289186) (ओ0बी0सी0) सुश्री मानवी शाक्या पुत्री श्री महेश चन्द्र शाक्या, निवासी-नगला बॉस, उमरानी, जिला-औरैया, उ0प्र0-206252 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, चक सलेमपुर, इटावा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, इटावा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (411)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-411 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000156064) (ओ0बी0सी0) श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र श्री राम सिंह, निवासी-ग्राम-जवाहरपुर, पोस्ट-सदरपुर, तहसील-महमूदाबाद, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261201 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मैलानी, लखीमपुर खीरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (415)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-415 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000291905) (ओ0बी0सी0) सुश्री निधि यादव पुत्री स्व0 भोला नाथ यादव, निवासी-90/10, मधवापुर, शोवतिया मार्ग, पोस्ट-बहराना, तहसील-सदर, जिला-प्रयागराज, उ0प्र0-211003 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन

अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, चमरौआ, सम्भल में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मुरादाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (420)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-420 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000239792) (ओ0बी0सी0) श्री गौरी शंकर लाल सिरौंजिया पुत्र स्व0 उमाशंकर, निवासी-ग्राम व

पोस्ट-बड़ी बाजार, निकट पोस्ट आफिस, नैमिषारण्य, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261402 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सरह, फर्रुखाबाद में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, फर्रुखाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (425)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-

11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-425 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000310909) (ओ0बी0सी0) सुश्री पूनम शर्मा पुत्री श्री सूर्यनाथ शर्मा, निवासी-ग्राम व पोस्ट-झनकौल, जनपद-कुशीनगर, उ0प्र0-274303 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अछलदा, औरैया में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, औरैया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (435)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-

11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-435 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000146775) (ओ0बी0सी0) श्री अखिलेश कुमार मिश्रा पुत्र श्री अजय कुमार मिश्रा, निवासी-मिश्रा क्लीनिक डा0 ए0के0 मिश्रा, वाकरगंज बाजार, रोशन नगर, जिला-अयोध्या, उ0प्र0-224161 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बारून बाजार, अयोध्या में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अयोध्या के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (437)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-437 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000163152) (ओ0बी0सी0) श्री अजय नाग पुत्र श्री कन्हैया लाल नाग, निवासी-3, बैरुनी खन्दक, माडल हाउस, लखनऊ-226018 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, खरवहिया नं0 2, लखीमपुर खीरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (441)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-441 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000132833) (ओ0बी0सी0) श्री प्रवीण कुमार प्रजापति पुत्र श्री बृजनन्दन प्रजापति, निवासी-129, वार्ड नं0-16, सुभाष नगर, कुमरौदा, मौदहा, जिला-हमीरपुर, उ0प्र0-210507 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, उदनपुर, जालौन में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जालौन के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या

2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (442)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-442 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000258858) (ओ0बी0सी0) श्री मंजीत सिंह पुत्र श्री फूलचन्द्र कुशवाहा, निवासी-63सी, रसूलाबाद, पोस्ट-तेलियरगंज, जिला-प्रयागराज, उ0प्र0-211004 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, झालीधाम, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (445)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-445 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000183688) (ओ0बी0सी0) सुश्री रजनी राठौर पुत्री स्व0 राम दुलारे राठौर, निवासी-631/121, शिवपुरी कालोनी, निकट कमता, पोस्ट-चिनहट, लखनऊ, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कलीनगर, पीलीभीत में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, पीलीभीत के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का

उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (456)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-456 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000352057) (ओ0बी0सी0) सुश्री अंकिता अग्रवाल पुत्री श्री घनश्याम दास, निवासी-बी0एम0 2/7, वीरांगना नगर, निकट मेडिकल कालेज, जिला-झांसी, उ0प्र0-284128 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, रुद्रपुरा, जालौन में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जालौन के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (458)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-458 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000155949) (ओ0बी0सी0) सुश्री कोमल सिंह पुत्री श्री देश कुमार सिंह, निवासी-346, चित्रगुप्त नगर, लोक नगर, जिला-उन्नाव, उ0प्र0-209801 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, उमरी बेगमगंज, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (463)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-463 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000258159) (ओ0बी0सी0) श्री अखिलेश कुमार पुत्र श्री लक्ष्मण प्रसाद, निवासी-C/o पतंजलि परामर्श केन्द्र, न्यू कामदगिरि स्वीट हाउस, ट्राफिक चौराहे के पास, सदर रोड, कर्वी (चित्रकूट), उ0प्र0-210205 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, भदोई, चित्रकूट में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बांदा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (464)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-464 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000296104) (ओ0बी0सी0) श्री अरुण कुमार वर्मा पुत्र स्व0 बाबू राम, निवासी-ग्राम-सेन्दुरिया मिश्र, पोस्ट-जगदीशपुर, जिला-बस्ती, उ0प्र0-272130 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, हथियागढ़, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (465)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-465 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000308472) (ओ0बी0सी0) श्री आशीष कुमार वर्मा पुत्र श्री बिन्द्रा प्रसाद, निवासी-532A/4ख/3, चौधरी टोला, अलीगंज, लखनऊ-226024 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, परास, गोण्डा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोण्डा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना

देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (468)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-468 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000226938) (ओ0बी0सी0) श्री रमाशंकर यादव पुत्र श्री फौजदार यादव, निवासी-ग्राम-चकराम नगर, पोस्ट-महाराजगंज, जिला-आजमगढ़, उ0प्र0-276137 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, गाँधीग्राम, फर्रुखाबाद में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियाँ।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, फर्रुखाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (473)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-473 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000163815) (ओ0बी0सी0) श्री मो0 सलीम पुत्र श्री जउआद अहमद, निवासी-म0नं0-278, अलीगंज रोड, लाल्हापुर, गोला गोकर्ननाथ, जिला-लखीमपुर खीरी, उ0प्र0-262802 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बमरौली, पीलीभीत में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, पीलीभीत के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (478)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-478 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000200709) (ओ0बी0सी0) श्री अरविन्द कुमार पुत्र श्री गयाराम, निवासी-ग्राम-गहुनी, पोस्ट-मेहनगर, जिला-आजमगढ़, उ0प्र0-276204 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नागरी, इटावा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, इटावा के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (479)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-479 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000036876) (ओ0बी0सी0) श्रीमती हेना जर्बी पत्नी श्री नदीम अली लारी, निवासी-517, ग्राम-बरोहिया, पोस्ट-जगदौर मिथौरा बाजार, जिला-महराजगंज, उ0प्र0-273207 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बरवाराजा पाकड, कुशीनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, कुशीनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (481)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-481 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000291075) (ओ0बी0सी0) श्री आलोक श्रीवास्तव पुत्र स्व0 कैलाश बिहारी श्रीवास्तव, निवासी-303, जाफरा बाजार, थाना-तिवारीपुर, जिला-गोरखपुर, उ0प्र0-273001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सहजनवा, गोरखपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।

- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गोरखपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
- यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (482)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-482 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000272344) (ओ0बी0सी0) श्रीमती प्रीति सिंह पत्नी श्री अतुल कुमार, निवासी-18-सीमान्त नगर, कंचना बिहारी मार्ग, कल्याणपुर, लखनऊ-226022 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जौगढ़, श्रावस्ती में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।

- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, श्रावस्ती के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (484)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-484 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000245173) (ओ0बी0सी0) श्रीमती मीना कुमारी पत्नी श्री आनन्द प्रकाश सचान, निवासी-720-बी, विश्व बैंक बर्रा, कानपुर नगर, उ0प्र0-208027 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पौथिया, हमीरपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हमीरपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (485)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-485 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000352516) (ओ0बी0सी0) श्रीमती अभिलाषा देवी पत्नी डा0 ऋषि चौरसिया, निवासी-252, मलकपुरा, जिला-महोबा, उ0प्र0-210427 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अरतरा, हमीरपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, हमीरपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (487)/96-आयुष-1-2020-66/2011—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-487 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000226099) (ओ0बी0सी0) श्रीमती सौम्या यादव पत्नी श्री कुलकीर्ति सिंह, निवासी-यादव चिकित्सालय, चौरी बाजार, परसीपुर, संतरविदास नगर (भदोही), उ0प्र0-221402 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बरनाहल, मैनपुरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मैनपुरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (494)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर,

2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-494 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000280769) (ओ0बी0सी0) श्री अनन्त कुमार पुत्र श्री विजय पाल, निवासी-ग्राम-आदमपुर नौबस्ता, पोस्ट-बहरौली, जिला-लखनऊ, उ0प्र0-227308 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, ररूआ, शाहजहांपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।

[4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहांपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या

2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (512)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-512 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000259893) (ओ0बी0सी0) श्रीमती सोनिया वर्मा पत्नी श्री विजय प्रताप सिंह, निवासी-122/1A/63A/1C, स्टैनली रोड, बेली कालोनी, जिला-प्रयागराज, उ0प्र0-211002 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मुजाहीबाजार, प्रतापगढ़ में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
 - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
 - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
 - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
 - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
 - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, प्रतापगढ़ के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।

- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (513)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-513 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000225665) (ओ0बी0सी0) श्रीमती बिनीता यादव पत्नी श्री दिनेश चन्द्र यादव, निवासी-ग्राम-राजपुर रुजार, पोस्ट-महाराजगंज, जिला-जौनपुर, उ0प्र0-222145 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मकदूमनगर, सुल्तानपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सुल्तानपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (519)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020, पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-519 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000339019) (ओ0बी0सी0) श्री रामरतन यादव पुत्र श्री हल्के यादव, निवासी-ग्राम व पोस्ट-तेंदौल, थाना-वरुआ सागर, जिला-झांसी, उ0प्र0-284201 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, सिमरधा, झांसी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, झांसी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
- यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

आज्ञा से,
शैलेन्द्र कुमार,
संयुक्त सचिव।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, २८ नवम्बर, २०२० ई० (अग्रहायण ७, १९४२ शक संवत्)

भाग १-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

NOTIFICATION

August 05, 2020

No. 1435/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Kali Charan-II, Principal Judge, Family Court, Sambhal at Chandausi to be Principal Judge, Family Court, Sambhal at Chandausi in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1436/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Harkesh Kumar, Additional District & Sessions Judge, Bulandshahar to be Principal Judge, Family Court, Bulandshahar in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1437/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Lalita Prasad-II, Additional District & Sessions Judge, Azamgarh to be Principal Judge, Family Court, Azamgarh in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1438/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Avinash Saxena, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Special Court no. 1 (Prevention of Corruption Act), Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Bara Banki in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1439/Admin.(Services)-2020—Sri Vijay Chand Yadav, Principal Judge, Family Court, Bara Banki to be Additional District & Sessions Judge, Lucknow.

No. 1440/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Jitendra Kumar Singh, Principal Judge, Family Court, Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Lucknow in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1441/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Irfan Qamar, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Special Court no. 1 (Prevention of Corruption Act), Meerut to be Principal Judge, Family Court, Meerut in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1442/Admin.(Services)-2020—Km. Rinku, Principal Judge, Family Court, Meerut to be Additional District & Sessions Judge, Meerut.

No. 1443/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Smt. Vani Ranjan Agrawal, Judicial Member, Commercial Tax Tribunal, Varanasi to be Principal Judge, Family Court, Bhadohi at Gyanpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1444/Admin.(Services)-2020—Sri Prabhakar 'Rao', Principal Judge, Family Court, Bhadohi at Gyanpur to be Special Judge, Bhadohi at Gyanpur *vice* Sri Shambhu Nath for trying cases under section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act no. 33 of 1989) in the exclusive special court.

No. 1445/Admin.(Services)-2020—Sri Shambhu Nath, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Bhadohi at Gyanpur to be Additional District & Sessions Judge, Bhadohi at Gyanpur.

No. 1446/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Surendra Singh-II, Additional District & Sessions Judge, Aligarh to be Principal Judge, Family Court, Aligarh in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1447/Admin.(Services)-2020—Sri Shahid Raza, Principal Judge, Family Court, Aligarh to be Additional District & Sessions Judge, Aligarh.

No. 1448/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Lallu Singh, Additional District & Sessions Judge, Moradabad to be Principal Judge, Family Court, Moradabad in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1449/Admin.(Services)-2020—Smt. Sandhya Chaudhary, Principal Judge, Family Court, Moradabad to be Additional District & Sessions Judge, Moradabad.

No. 1450/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Shyam Jeet Yadav, Additional District & Sessions Judge, Sitapur to be Principal Judge, Family Court, Sitapur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/ 86, dated 04-05-2020.

No. 1451/Admin.(Services)-2020—Sri Rahul Kumar Katyan, Principal Judge, Family Court, Sitapur to be Additional District & Sessions Judge, Sitapur.

No. 1452/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ravindra Kumar-I, Special Judge, Anti-corruption CBI, Court No. 2, Ghaziabad to be Principal Judge, Family

Court, Hapur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1453/Admin.(Services)-2020—Sri Anutosh Kumar Sharma, Principal Judge, Family Court, Hapur to be Additional District & Sessions Judge, Hapur.

No. 1454/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Achal Sachdev, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) to be Principal Judge, Family Court, Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1455/Admin.(Services)-2020—Sri Ram Kishor-IV, Principal Judge, Family Court, Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) *vice* Sri Akhilesh Kumar Pathak.

He is also appointed under section 5 (2) of U.P. Dacoity Affected Areas Act, 1983 as Special Judge at Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1456/Admin.(Services)-2020—Sri Akhilesh Kumar Pathak, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) to be Special Judge, Ramabai Nagar (Kanpur Dehat) for trying cases under section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act no. 33 of 1989) in the exclusive special court.

No. 1457/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Anmol Pal, Additional District & Sessions Judge, Ambedkar Nagar at Akbarpur to be Principal Judge, Family Court, Ambedkar Nagar at Akbarpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of

the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1458/Admin.(Services)-2020—Sri Mahendra Singh-III, Principal Judge, Family Court, Ambedkar Nagar at Akbarpur to be Additional District & Sessions Judge, Ambedkar Nagar at Akbarpur.

No. 1459/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Smt. Kamlesh Kuchhal, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Moradabad to be Principal Judge, Family Court, Etah in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1460/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Utkarsh Chaturvedi, Additional District & Sessions Judge, Sultanpur to be Principal Judge, Family Court, Sultanpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1461/Admin.(Services)-2020—Sri Anand Prakash-II, Principal Judge, Family Court, Sultanpur to be Additional District & Sessions Judge, Sultanpur.

No. 1462/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Jai Prakash Pandey, Principal Judge, Family Court, Pratapgarh to be Principal Judge, Family Court, Pratapgarh in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/ 776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1463/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Vinay

Kumar-III, Additional District & Sessions Judge, Kushinagar at Padrauna to be Principal Judge, Family Court, Kushinagar at Padrauna in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1464/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Sunil Kumar-IV, Additional District & Sessions Judge, Allahabad to be Principal Judge, Family Court, Allahabad in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1465/Admin.(Services)-2020—Sri Ram Kesh, Principal Judge, Family Court, Allahabad to be Additional District & Sessions Judge, Allahabad.

No. 1466/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ram Sulin Singh, Additional District & Sessions Judge, Balrampur to be Principal Judge, Family Court, Balrampur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1467/Admin.(Services)-2020—Sri Jamshed Ali, Principal Judge, Family Court, Balrampur to be Additional District & Sessions Judge, Balrampur.

No. 1468/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Raj Kumar Singh, Additional District & Sessions Judge, Budaun to be Principal Judge, Family Court, Budaun in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1469/Admin.(Services)-2020—Sri Vinod Kumar-IV, Principal Judge, Family Court, Budaun to be Additional District & Sessions Judge, Budaun.

No. 1470/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Vishnu Kumar Sharma, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Bulandshahar to be Principal Judge, Family Court, Etawah in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1471/Admin.(Services)-2020—Smt. Anjana, Principal Judge, Family Court, Etawah to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Etawah *vice* Sri Mohammed Qamruzzama Khan.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Etawah against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1472/Admin.(Services)-2020—Sri Mohammed Qamruzzama Khan, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Etawah to be Additional District & Sessions Judge, Etawah.

No. 1473/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Satendra Kumar, Additional District & Sessions Judge, Kannauj to be Principal Judge, Family Court, Kannauj in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1474/Admin.(Services)-2020—Smt. Adesh Nain, Principal Judge, Family Court, Kannauj to be Additional District & Sessions Judge, Kannauj.

No. 1475/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Vijay Shanker Upadhyaya, Additional District & Sessions Judge, Fatehpur to be Principal Judge, Family Court, Fatehpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family

Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1476/Admin.(Services)-2020—Sri Navneet Kumar Giri, Principal Judge, Family Court, Fatehpur to be Additional District & Sessions Judge, Fatehpur.

No. 1477/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Vinod Singh Rawat, Additional District & Sessions Judge, Gautam Buddh Nagar to be Principal Judge, Family Court, Gautam Buddh Nagar in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1478/Admin.(Services)-2020—Sri Ashok Kumar Singh-V, Principal Judge, Family Court, Gautam Buddh Nagar to be Additional District & Sessions Judge, Gautam Buddh Nagar.

No. 1479/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Sanjiv Pandey, Additional District & Sessions Judge, Bijnor to be Principal Judge, Family Court, Bijnor in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1480/Admin.(Services)-2020—Sri Champat Singh, Principal Judge, Family Court, Bijnor to be Additional District & Sessions Judge, Bijnor.

No. 1481/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Pankaj Kumar Agrawal, Additional District & Sessions Judge, Muzaffar Nagar to be Principal Judge, Family Court, Muzaffar Nagar in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no.

9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1482/Admin.(Services)-2020—Sri Arun Kumar Pathak, Principal Judge, Family Court, Muzaffar Nagar to be Additional District & Sessions Judge, Muzaffar Nagar.

No. 1483/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Sanjeev Shukla, Additional District & Sessions Judge, Pilibhit to be Principal Judge, Family Court, Pilibhit in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1484/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Kuldeep Saxena, Additional District & Sessions Judge, Lakhimpur Kheri to be Principal Judge, Family Court, Lakhimpur Kheri in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1485/Admin.(Services)-2020—Sri Rajesh Kumar-IV, Principal Judge, Family Court, Lakhimpur Kheri to be Additional District & Sessions Judge, Lakhimpur Kheri.

No. 1486/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Anupam Kumar, Additional District & Sessions Judge, Kaushambi to be Principal Judge, Family Court, Kaushambi in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1487/Admin.(Services)-2020—Sri Dinesh Tiwari, Principal Judge, Family Court, Kaushambi to

be Additional District & Sessions Judge, Kaushambi.

No. 1488/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Devendra Singh, Principal Judge, Family Court, Gorakhpur to be Principal Judge, Family Court, Gorakhpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1489/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Arvind Malik, Additional District & Sessions Judge, Amroha to be Principal Judge, Family Court, Shamli at Kairana in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1490/Admin.(Services)-2020—Sri Gyanender Singh Yadav, Principal Judge, Family Court, Shamli at Kairana to be Additional District & Sessions Judge, Moradabad.

No. 1491/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Pradeep Kumar Singh-II, Additional District & Sessions Judge, Varanasi to be Principal Judge, Family Court, Varanasi in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1492/Admin.(Services)-2020—Sri Ashok Kumar Singh Yadav, Principal Judge, Family Court, Varanasi to be Additional District & Sessions Judge, Varanasi.

No. 1493/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Sanjay Kumar Malik, Additional District & Sessions Judge, Jhansi to be Principal Judge, Family Court, Jhansi in

the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1494/Admin.(Services)-2020—Km. Indu Dwivedi, Principal Judge, Family Court, Jhansi to be Additional District & Sessions Judge, Jhansi.

No. 1495/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Neeraj Kumar, Additional District & Sessions Judge, Banda to be Principal Judge, Family Court, Banda in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1496/Admin.(Services)-2020—Sri Harendra Prasad, Principal Judge, Family Court, Banda to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Banda *vice* Sri Ram Karan-II.

He is also appointed under section 5 (2) of U.P. Dacoity Affected Areas Act, 1983 as Special Judge at Banda against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1497/Admin.(Services)-2020—Sri Ram Karan-II, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Banda to be Special Judge, Banda *vice* Sri Krishan Yadav for trying cases under section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act no. 33 of 1989) in the exclusive special court.

No. 1498/Admin.(Services)-2020—Sri Krishan Yadav, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Banda to be Additional District & Sessions Judge, Banda.

No. 1499/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Rananjay Kumar Verma, Principal Judge, Family Court, Unnao to be Principal Judge, Family Court, Auraiya in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court)

Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/76/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1500/Admin.(Services)-2020—Sri Raj Bahadur Singh Maurya, Principal Judge, Family Court, Auraiya to be Additional District & Sessions Judge, Auraiya.

No. 1501/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Manoj Kumar-III, Additional District & Sessions Judge, Jaunpur to be Principal Judge, Family Court, Jaunpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1502/Admin.(Services)-2020—Smt. Shazia Nazar Zaidi, Principal Judge, Family Court, Jaunpur to be Additional District & Sessions Judge, Jaunpur.

No. 1503/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Vikas Kumar-I, Additional District & Sessions Judge, Bulandshahar to be Principal Judge, Family Court, Baghpat in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1504/Admin.(Services)-2020—Sri Awadh Behari Singh, Principal Judge, Family Court, Baghpat to be Additional District & Sessions Judge, Baghpat.

No. 1505/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Anil Kumar-XIII, Additional District & Sessions Judge, Moradabad to be Principal Judge, Family Court, Mainpuri in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1506/Admin.(Services)-2020—Sri Nasir Ahmad-III, Principal Judge, Family Court, Mainpuri to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Mainpuri *vice* Sri Ram Kishor Pandey.

He is also appointed under section 5 (2) of U.P. Dacoity Affected Areas Act, 1983 as Special Judge at Mainpuri against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1507/Admin.(Services)-2020—Sri Ram Kishor Pandey, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Mainpuri to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Mainpuri *vice* Sri Ashok Kumar.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Mainpuri against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1508/Admin.(Services)-2020—Sri Ashok Kumar, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Mainpuri to be Additional District & Sessions Judge, Mainpuri.

No. 1509/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Harish Tripathi, Additional District & Sessions Judge, Bareilly to be Principal Judge, Family Court, Bareilly in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1510/Admin.(Services)-2020—Smt. Rachna Arora, Principal Judge, Family Court, Bareilly to be Additional District & Sessions Judge, Bareilly.

No. 1511/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Satya Prakasyh Tripathi, Principal Judge, Family Court, Ballia to be Principal Judge, Family Court, Ballia in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/76/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1512/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Durg Narain Singh, Additional District & Sessions Judge, Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Gonda in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1513/Admin.(Services)-2020—Smt. Mita Kumari, Principal Judge, Family Court, Gonda to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Gonda *vice* Sri Ranveer Singh.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Gonda against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1514/Admin.(Services)-2020—Sri Ranveer Singh, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Gonda to be Additional District & Sessions Judge, Gonda.

No. 1515/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Alok Kumar Parasar, Judicial Member, Commercial Tax Tribunal, Aligarh to be Principal Judge, Family Court, Farrukhabad in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1516/Admin.(Services)-2020—Sri Rajesh Kumar Rai, Principal Judge, Family Court, Farrukhabad to be Additional District & Sessions Judge, Farrukhabad.

No. 1517/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ravindra Vikram Singh, Additional District & Sessions Judge, Rae Bareilly to be Principal Judge, Family Court, Rae Bareilly in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government

notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1518/Admin.(Services)-2020—Sri Hira Lal-III, Principal Judge, Family Court, Rae Bareilly to be Additional District & Sessions Judge, Rae Bareilly.

No. 1519/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Amit Pal Singh, Additional District & Sessions Judge, Jalaun at Orai to be Principal Judge, Family Court, Jalaun at Orai in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1520/Admin.(Services)-2020—Smt. Reeta Gupta, Principal Judge, Family Court, Jalaun at Orai to be Additional District & Sessions Judge, Jalaun at Orai.

No. 1521/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Narendra Kumar-IV, Judicial Member, Commercial Tax Tribunal, Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Saharanpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1522/Admin.(Services)-2020—Smt. Manorama, Principal Judge, Family Court, Saharanpur to be Additional District & Sessions Judge, Saharanpur.

No. 1523/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ayaz Ahmad, Additional District & Sessions Judge, Unnao to be Principal Judge, Family Court, Unnao in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1524/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Hari Nath

Pandey, Additional District & Sessions Judge, Faizabad to be Principal Judge, Family Court, Maharajganj in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1525/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ram Naresh Maurya, Additional District & Sessions Judge, Agra to be Principal Judge, Family Court, Agra in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1526/Admin.(Services)-2020—Sri Rajesh Kumar-I, Principal Judge, Family Court, Agra to be Additional District & Sessions Judge, Agra.

No. 1527/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Mahendra Prasaed Chaudhary, Special Judge, Anti-corruption CBI (Central), Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Hardoi in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1528/Admin.(Services)-2020—Sri Akhilesh Kumar Pandey, Principal Judge, Family Court, Hardoi to be Special Judge, Hardoi for trying cases under section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act no. 33 of 1989) in the exclusive special court *vice* Sri Sanjiv Kumar Singh.

No. 1529/Admin.(Services)-2020—Sri Sanjiv Kumar Singh, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Hardoi to be Additional District & Sessions Judge, Hardoi.

No. 1530/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Arvind Kumar Mishra-II, Special Secretary & Additional Legal

Remembrancer (Legislative), Government of U.P., Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Basti in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1531/Admin.(Services)-2020—Sri Prithvi Pal Yadav, Principal Judge, Family Court, Basti to be Additional District & Sessions Judge, Basti.

No. 1532/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ramesh Singh, Judicial Member, Commercial Tax Tribunal, Meerut to be Principal Judge, Family Court, Kasganj in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1533/Admin.(Services)-2020—Sri Vijesh Kumar, Principal Judge, Family Court, Kasganj to be Special Judge, Kasganj for trying cases under section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act no. 33 of 1989) in the exclusive special court *vice* Sri Gajendra.

No. 1534/Admin.(Services)-2020—Sri Gajendra, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Kasganj to be Additional District & Sessions Judge, Kasganj.

No. 1535/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Smt. Anita Raj, Principal Judge, Family Court, Ghaziabad to be Principal Judge, Family Court, Ghaziabad in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1536/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Shanker Lal, Special Judge/Additional District & Sessions Judge,

Amroha to be Principal Judge, Family Court, Amroha in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1537/Admin.(Services)-2020—Sri Shailesh Kumar Tiwari, Principal Judge, Family Court, Amroha to be Additional District & Sessions Judge, Amroha.

No. 1538/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Vinod Kumar-IV, Principal Judge, Family Court, Budaun to be Principal Judge, Family Court, Firozabad in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1539/Admin.(Services)-2020—Sri Rajesh Kumar-II, Principal Judge, Family Court, Firozabad to be Additional District & Sessions Judge, Firozabad.

No. 1540/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ram Kripal, Additional District & Sessions Judge, Rae Bareilly to be Principal Judge, Family Court, Chitrakoot in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1541/Admin.(Services)-2020—Smt. Kusum Lata, Principal Judge, Family Court, Chitrakoot to be Additional District & Sessions Judge, Chitrakoot.

No. 1542/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ram Chandra-V, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Shahjahanpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified

vide Government notification No. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1543/Admin.(Services)-2020—Sri Pramod Kumar-II, Principal Judge, Family Court, Shahjahanpur to be Additional District & Sessions Judge, Shahjahanpur.

No. 1544/Admin.(Services)-2020—Sri Narendra Kumar Pandey, Additional District & Session Judge, Shahjahanpur to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Shahjahanpur *vice* Sri Kiran Pal Singh.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Shahjahanpur against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1545/Admin.(Services)-2020—Sri Kiran Pal Singh, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Shahjahanpur to be Additional District & Sessions Judge, Shahjahanpur.

No. 1546/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Dr. (Smt.) Vidushi Singh, Special Judge, Anti-corruption CBI (West), Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Mathura in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1547/Admin.(Services)-2020—Sri Anil Kumar Pandey, Principal Judge, Family Court, Mathura to be Additional District & Sessions Judge, Mathura.

No. 1548/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyay-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ashok Kumar Premi, Principal Judge, Family Court, Hamirpur to be Principal Judge, Family Court, Hamirpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1549/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification no. 20/2020/1247/Saat-Nyay-

2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Adil Aftab Ahmad, Additional District & Sessions Judge, Mau to be Principal Judge, Family Court, Mau in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1550/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Krishna Pal Singh, Additional District & Sessions Judge, Varanasi to be Principal Judge, Family Court, Chandauli in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1551/Admin.(Services)-2020—Sri Puneet Kumar Gupta, Principal Judge, Family Court, Chandauli to be Additional District & Sessions Judge, Moradabad.

No. 1552/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Akhilesh Dubey, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Unnao to be Principal Judge, Family Court, Hathras in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1553/Admin.(Services)-2020—Sri Bhagwan Dayal Bharti, Principal Judge, Family Court, Hathras to be Additional District & Sessions Judge, Hathras.

No. 1554/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Ramesh Chand-I, Additional District & Sessions Judge, Kanpur Nagar to be Principal Judge, Family Court, Kanpur Nagar in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1555/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Sanjay Kumar-I, Special Judge, Anti-corruption CBI Court No. 3, Lucknow to be Principal Judge, Family Court, Bahraich in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1556/Admin.(Services)-2020—Sri Rakesh Kumar-VI, Principal Judge, Family Court, Bahraich to be Additional District & Sessions Judge, Bahraich.

No. 1557/Admin.(Services)-2020—Sri Jainendra Kumar Pandey, Additional District & Sessions Judge, Bahraich to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Bahraich *vice* Sri Shailendra Sachan.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Bahraich against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1558/Admin.(Services)-2020—Sri Shailendra Sachan, Special Judge/Additional District & Session Judge, Bahraich to be Additional District & Sessions Judge, Bahraich.

No. 1559/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Smt. Reeta Kaushik, Principal Judge, Family Court, Faizabad to be Principal Judge, Family Court, Faizabad in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1560/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Mohan Lal Vishwakarma, Judicial Member, Commercial Tax Tribunal, Varanasi to be Principal Judge, Family Court, Deoria in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh

Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification No. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1561/Admin.(Services)-2020—Sri Arvind Rai, Principal Judge, Family Court, Deoria to be Special Judge, Deoria for trying cases under section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act no. 33 of 1989) in the exclusive special court *vice* Sri Satyendra Nath Tripathi.

No. 1562/Admin.(Services)-2020—Sri Satyendra Nath Tripathi, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Deoria to be Additional District & Sessions Judge, Deoria.

No. 1563/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Diwakar Prasad Chaturvedi, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Special Court No. 1 (Prevention of Corruption Act), Varanasi to be Principal Judge, Family Court, Mirzapur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1564/Admin.(Services)-2020—Susri Priti Srivastava-III, Principal Judge, Family Court, Mirzapur to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Mirzapur *vice* Sri Anil Kumar Yadav-I.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Mirzapur against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1565/Admin.(Services)-2020—Sri Anil Kumar Yadav-I, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Mirzapur to be Additional District & Sessions Judge, Mirzapur.

No. 1566/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Syed Sarwar Husain Rizvi, Additional District & Sessions Judge, Farrukhabad to be Principal Judge, Family Court,

Rampur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1567/Admin.(Services)-2020—Sri Trilok Pal Singh, Principal Judge, Family Court, Rampur to be Additional District & Sessions Judge, Rampur.

No. 1568/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government Notification No. 20/2020/1247/Saat-Nyaya-2-2020-58G/2001, dated 29-07-2020, Sri Paras Nath Rai, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Jhansi to be Principal Judge, Family Court, Lalitpur in the rank of District & Sessions Judge as per amended Rule 58 of the Uttar Pradesh Family Courts (Court) Rules, 2006 as notified *vide* Government notification no. 9/2020/776/Saat-Nyaya-2/2020-732/86, dated 04-05-2020.

No. 1569/Admin.(Services)-2020—Sri Manoj Kumar Agarwal, Principal Judge, Family Court, Lalitpur to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Lalitpur *vice* Sri Ajay Pal Singh-II.

He is also appointed under section 5 (2) of U.P. Dacoity Affected Areas Act, 1983 as Special Judge at Lalitpur against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1570/Admin.(Services)-2020—Sri Ajay Pal Singh-II, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Lalitpur to be Additional District & Sessions Judge/Special Judge, Lalitpur *vice* Sri Mukund Kumar.

He is also appointed under section 12-A of U.P. Essential Commodities (Special Provisions) Act, 1981, as Special Judge at Lalitpur against the special court created for trying cases under the said Act.

No. 1571/Admin.(Services)-2020—Sri Mukund Kumar, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Lalitpur to be Additional District & Sessions Judge, Lalitpur.

No. 1572/Admin.(Services)-2020—Smt. Babita Rani, Additional Principal Judge, Family Court, Lucknow to be Chairman, Administrative Tribunal-III and Member, Administrative Tribunal-II, Lucknow.

No. 1573/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Inder Preet Singh Josh, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Gautambuddha Nagar to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Gautambuddha Nagar.

No. 1574/Admin.(Services)-2020—Smt. Pratima Srivastava, Registrar, U.P. State Public Services Tribunal, Lucknow to be Member, Administrative Tribunal-II & III, Lucknow.

No. 1575/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Sanjay Kumar-VII, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Aligarh to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Kasganj.

No. 1576/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Malkhan Singh, Additional District & Sessions Judge, Ghaziabad to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Muzaffar Nagar.

No. 1577/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Gurpreet Singh Bawa, Additional District & Sessions Judge, Meerut to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Mahoba.

No. 1578/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Manjeet Singh Sheoran, Judicial Member, Commercial Tax Tribunal, Ghaziabad to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Auraiya.

No. 1579/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Sushil Kumar Shashi, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Special Court No. 3 (Prevention of Corruption Act), Gorakhpur to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Siddharth Nagar.

No. 1580/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Dharmendra Kumar Pandey, Special Judge/Additional District & Sessions Judge,

Sitapur to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Banda.

No. 1581/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Ravindra Singh, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Moradabad to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Ghazipur.

No. 1582/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Manoj Kumar Rai, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Special Court No. 4 (Prevention of Corruption Act), Gorakhpur to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Shahjahanpur.

No. 1583/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Rakesh Tripathi, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Raebareli to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Sultanpur.

No. 1584/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Rohit Sinha, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Kannauj to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Pratapgarh.

No. 1585/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Narendra Kumar Jha, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Varanasi to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Lakhimpur Kheri.

No. 1586/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Rakesh Dhar Dubey, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Fatehpur to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Pilibhit.

No. 1587/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Ajay Kumar Singh-I, Additional District & Sessions Judge, Hardoi to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Baghpat.

No. 1588/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Manoj Kumar Singh Gautam, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Jaunpur to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Jaunpur.

No. 1589/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Mayank Chauhan, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Bareilly to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Gonda.

No. 1590/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Vivek, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Agra to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Hapur.

No. 1591/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Ravindra Kumar-IV, Additional District & Sessions Judge, Pratapgarh to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Hardoi.

No. 1592/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government O.M. No. 530/II-4-2020-26/2(3) /82/T.C., dated 29-07-2020, Sri Sanjay Singh-I, Additional District & Sessions Judge, Aligarh to be Presiding Officer, Motor Accident Claims Tribunal, Aligarh.

No. 1593/Admin.(Services)-2020—Sri Ashish Garg, Registrar (Judicial) (Listing), High Court of Judicature at Allahabad to be Special Officer (Vigilance), High Court of Judicature at Allahabad.

No. 1594/Admin.(Services)-2020—Sri Syed Maoz Bin Asim, Registrar (Judicial) (Nazarat), High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow to be District & Sessions Judge, Unnao.

No. 1595/Admin.(Services)-2020—Sri Pankaj Kumar Singh, Registrar (Judicial) (Listing), High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow to be Senior Registrar, High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow.

No. 1596/Admin.(Services)-2020—Sri Praveen Kumar Jain, Registrar (Judicial) (Infrastructure-Subordinate Courts), High Court of Judicature at Allahabad to be District & Sessions Judge, Kannauj.

No. 1597/Admin.(Services)-2020—On reversion to the regular line, Sri Rajat Singh Jain, Presiding

Officer, Motor Accident Claim Tribunal, Kanpur Nagar to be District & Sessions Judge, Sonbhadra *vice* Sri Pramod Kumar Srivastava-II.

No. 1598/Admin.(Services)-2020—Sri Pramod Kumar Srivastava-II, District & Sessions Judge, Sonbhadra to be District & Sessions Judge, Gorakhpur in the vacant court.

No. 1599/Admin.(Services)-2020—On reversion to the regular line, Dr. Babbu Sarang, Presiding Officer, Commercial Court, Agra to be District & Sessions Judge, Ambedkar Nagar at Akbarpur *vice* Sri Amar Jeet Tripathi.

No. 1600/Admin.(Services)-2020—Sri Amar Jeet Tripathi, District & Sessions Judge, Ambedkar Nagar at Akbarpur to be District & Sessions Judge, Basti *vice* Sri Gyan Prakash Tewari-I.

No. 1601/Admin.(Services)-2020—Sri Gyan Prakash Tewari-I, District & Sessions Judge, Basti to be District & Sessions Judge, Faizabad *vice* Sri Neeraj Nigam.

No. 1602/Admin.(Services)-2020—Sri Neeraj Nigam, District & Sessions Judge, Faizabad to be District & Sessions Judge, Ghaziabad *vice* Sri Dinesh Kumar Sharma-III.

No. 1603/Admin.(Services)-2020—Sri Dinesh Kumar Sharma-III, District & Sessions Judge, Ghaziabad to be District & Sessions Judge, Lucknow in the vacant court.

No. 1604/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government's Office Memorandum No. 527/II-4-2020-15(10) /1994, dated 31-07-2020, Sri Apoorv Singh, Additional District & Sessions Judge, Meerut is appointed/posted as Chief Investigation Officer in the Office of Lokayukt, U.P., Lucknow on deputation basis.

No. 1605/Admin.(Services)-2020—Pursuant to Government's Office Memorandum No. 526/II-4-2020-12(1)/98T.C.-III, dated 31-07-2020, Sri Krishna Swaroop Dhar Dwivedi, Special Judge/Additional District & Sessions Judge, Ballia is appointed/posted as Special Secretary & Additional L.R. (Legal Cell), Supreme Court of India, New Delhi on deputation basis.

By order of the Court,
AJAI KUMAR SRIVASTAVA-I,
Registrar General.

HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD**ESTABLISHMENT SECTION***September 17, 2020*

No. 74--Under the orders of Hon'ble the Chief Justice dated September 14, 2020, following Section Officers, High Court, Allahabad/Lucknow Bench are hereby confirmed on their post from the date mentioned against their names :

| Sl. no. | Emp. No. | Name | Date of Confirmation |
|---------|----------|--|----------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | <i>S/Sri.—</i> | |
| 1 | 7113 | Suresh Kumar Prasad | 14-12-2018 |
| 2 | 7131 | Rajendra Prasad, <i>Lko.</i> | 14-12-2018 |
| 3 | 7019 | Piyush Kumar Srivastava, <i>Lko.</i> | 30-04-2019 |
| 4 | 7120 | Rajeev Mohan Verma | 30-04-2019 |
| 5 | 7111 | Damar Singh, <i>Lko.</i> | 30-04-2019 |
| 6 | 2966 | Sultan Singh, <i>Lko.</i> | 03-05-2019 |
| 7 | 7107 | Shashi Kant Singh Gaur | 30-04-2019 |
| 8 | 7094 | Onkar Nath Yadav | 01-05-2019 |
| 9 | 7143 | Dhirul Tiwari | 30-04-2019 |
| 10 | 7149 | Rakesh Singh | 30-04-2019 |
| 11 | 5067 | Faizan Mohammad | 30-04-2019 |
| 12 | 5075 | Ashok Kumar Singh (<i>Retired on 31-07-2020</i>) | 30-04-2019 |
| 13 | 2878 | Shiv Kushal Singh, <i>Lko.</i> | 02-05-2019 |
| 14 | 5518 | Shakeel Ahmad | 30-04-2019 |
| 15 | 5679 | Satya Narain, <i>Lko.</i> | 02-05-2019 |
| 16 | 5695 | Ram Milan-II | 30-04-2019 |
| 17 | 2873 | Ram Prakash, <i>Lko.</i> | 02-05-2019 |
| 18 | 5593 | Manoj Singh | 30-04-2019 |
| 19 | 7146 | Smt. Pragya Srivastava | 28-05-2019 |
| 20 | 7147 | Siddharth Kumar | 28-05-2019 |
| 21 | 7164 | Sharad Kumar | 28-05-2019 |
| 22 | 2979 | Smt. Pooja Srivastava, <i>Lko.</i> | 30-05-2019 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|------|--|------------|
| | | <i>S/Sri.—</i> | |
| 23 | 3333 | Rajendra Kumar Sharma | 09-01-2019 |
| 24 | 3436 | Raj Karan Yadav | 20-09-2019 |
| 25 | 2649 | Sanjeeva Kumar Srivastava, <i>Lko.</i> | 25-09-2019 |
| 26 | 2915 | Rakesh Kumar Srivastava, <i>Lko.</i> | 25-09-2019 |
| 27 | 2918 | Rajeev Singh Jauhari, <i>Lko.</i> | 25-09-2019 |
| 28 | 2977 | Ashutosh Kumar Singh, <i>Lko.</i> | 24-09-2019 |
| 29 | 2980 | Smt. Rita Misra, <i>Lko.</i> | 26-09-2019 |
| 30 | 7173 | Amit Kumar Srivastava | 27-09-2019 |
| 31 | 5540 | Ajay Prakash Dwivedi | 10-10-2019 |
| 32 | 5070 | Subhash Chandra | 10-10-2019 |
| 33 | 5029 | Jai Pal Yadav | 22-10-2019 |
| 34 | 5151 | Zubair Alam Khan | 12-11-2019 |
| 35 | 5608 | Anupam Singh Yadav | 03-11-2019 |
| 36 | 5024 | Jeet Singh | 13-11-2019 |
| 37 | 2877 | Rajendra Prasad, <i>Lko.</i> | 04-12-2019 |
| 38 | 5576 | Zahid Husain | 03-12-2019 |
| 39 | 7177 | Smt. Shweta Khare, <i>Lko.</i> | 04-12-2019 |
| 40 | 2982 | Smt. Shanno Rani, <i>Lko.</i> | 07-01-2020 |
| 41 | 7185 | Mohd. Sirajuddin Khan | 09-01-2020 |
| 42 | 7187 | Prashant Saran | 14-02-2020 |
| 43 | 7190 | Ajay Kishore Shukla, <i>Lko.</i> | 14-02-2020 |
| 44 | 7191 | Subhash Chawla, <i>Lko.</i> | 14-02-2020 |
| 45 | 7194 | Ravi Shanker Singh Bisht, <i>Lko.</i> | 14-02-2020 |
| 46 | 7195 | Pushkar Shukla, <i>Lko.</i> | 05-03-2020 |
| 47 | 7196 | M. Nayeem Khan, <i>Lko.</i> | 12-04-2020 |

Above confirmation shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court.

By order of
Hon'ble the Chief Justice,
(*Sd.*) ILLEGIBLE,
Registrar General.

ACCOUNTS (C-3) SECTION*September 17, 2020*

No. 75—The following Deputy Registrar-cum-Private Secretary Grade-III is hereby granted the benefits of Third Financial Upgradation under A.C.P. Scheme i.e. immediate next higher Grade Pay to the Grade Pay being paid before the date of admissibility of said Third Financial Upgradation *w.e.f.* the date mentioned against his name in terms of G. O. no. Ve. Aa.-2-773/X-62(M)/2008, dated November 05, 2014.

| Sl. no. | Emp. no. | Name | Date of Grant of Third Financial Upgradation under A.C.P. Scheme |
|---------|----------|------------------|--|
| 1 | 1503 | Sri Rakesh Kumar | 30-05-2020 |

No. 76—The following Deputy Registrar-cum Bench Secretaries Grade-III are hereby granted the benefits of Second Financial Upgradation under A.C.P. Scheme i.e. immediate next higher Grade Pay to the Grade Pay being paid before the date of admissibility of said Second Financial Upgradation *w.e.f.* the date mentioned against their names in terms of G. O. no. Ve. Aa.-2-773/X-62(M)/2008, dated November 05, 2014.

| Sl. no. | Emp. no. | Name | Date of Grant of Second Financial Upgradation under A.C.P. Scheme |
|---------|----------|-------------------|---|
| | | <i>S/Sri.—</i> | |
| 1 | 3355 | Suresh Kumar | 18-01-2020 A. N. |
| 2 | 3380 | Satya Nand Pandey | 18-01-2020 A. N. |
| 3 | 3407 | Janardan Tiwari | 12-10-2018 |

No. 77—The following Private Secretaries Grade-I are hereby granted the benefits of Second Financial Upgradation under A.C.P. Scheme i.e. immediate next higher Grade Pay to the Grade Pay being paid before the date of admissibility of said Second Financial Upgradation *w.e.f.* the date mentioned against their names in terms of G. O. no. Ve. Aa.-2-773/X-62(M)/2008, dated November 05, 2014.

| Sl. no. | Emp. no. | Name | Date of Grant of Second Financial Upgradation under A.C.P. Scheme |
|---------|----------|----------------------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | <i>S/Sri.-</i> | |
| 1 | 1582 | Km. Nandini Singh | 01-06-2020 |
| 2 | 3567 | Sunil Kumar Tiwari | 01-06-2020 |
| 3 | 3520 | Bhaskar | 01-06-2020 |
| 4 | 7108 | Anurag Verma, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 5 | 6919 | Km. Meenu Singh | 01-06-2020 |
| 6 | 6916 | Abhishek Ranjan Srivastava | 01-06-2020 |
| 7 | 3568 | Arun Kumar | 01-06-2020 |
| 8 | 3540 | Ajeet Kumar Patel | 01-06-2020 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|------|-------------------------------------|------------|
| | | <i>S/Sri.-</i> | |
| 9 | 6885 | Smt. Shahnaz Bano, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 10 | 3569 | Naresh Kumar | 01-06-2020 |
| 11 | 3570 | Mahesh Kumar, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 12 | 3565 | Ranjeet Sahu | 01-06-2020 |
| 13 | 3571 | Kanhaiya Kumar, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 14 | 3574 | Rakesh Prajapat, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 15 | 1585 | Pankaj Kumar Srivastava | 01-06-2020 |
| 16 | 6953 | Km. Priti Sharma | 01-06-2020 |
| 17 | 1584 | Piyush Kumar | 01-06-2020 |
| 18 | 6889 | Amit Katiyar, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 19 | 3576 | Ravi Shankar Srivastav, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 20 | 6920 | Akhileshwar Kumar, <i>Lko.</i> | 01-06-2020 |
| 21 | 3566 | Sunil Kumar Gupta | 01-06-2020 |

By order of
Hon'ble the Chief Justice,
(*Sd.*) ILLEGIBLE,
Joint Registrar,
(Accounts C-3).

ESTABLISHMENT SECTION

September 24, 2020

No. 78--In continuation to the notification no. 51 dated August 18, 2020 issued under the orders of Hon'ble the Chief Justice dated August 17, 2020, Sri T. Lakshman Kumar (Emp. no. 2924), Joint Registrar-cum-Joint Principal Private Secretary to Hon'ble Mr. Justice Pankaj Kumar Jaiswal, Hon'ble the then Senior Judge, Lucknow Bench of High Court Allahabad, is hereby repatriated on his original post *i.e.* Deputy Registrar-cum Private Secretary Grade-III in the Pay Scale of Level 12 (as per Seventh Pay Commission's recommendation), *w.e.f.* September 24, 2020 (F.N.), as His Lordship has demitted the office on September 23, 2020.

No. 79--Consequent upon repatriation of Sri T. Lakshman Kumar, (Emp. no. 2924), Joint Registrar-cum-Joint Principal Private Secretary to Hon'ble Mr. Justice Pankaj Kumar Jaiswal, Hon'ble the then Senior Judge, Lucknow Bench of High Court Allahabad, to the post of Deputy Registrar-cum Private Secretary

Grade-III, the following Private Secretaries/Additional Private Secretaries are hereby reverted to their respective parent posts *w.e.f.* September 24, 2020 (F.N.).

| Sl. no. | Name | To be Reverted | | Remarks |
|---------|--|-----------------------|----------------------|--|
| | | From the post of | To the post of | |
| S/Sri.— | | | | |
| 01 | Chobrolu Srinivasa Rao, <i>Lko.</i> (Emp. no. 2922), posted at High Court Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow. | D.R.-cum-P.S. Gr.-III | A.R.-cum-P.S. Gr.-II | To be reverted on his parent post of A.R.-cum- P.S. Gr.-II on account of repatriation of Sri T. Lakshman Kumar on the post of D.R.-cum-P.S. Gr.-III. |
| 02 | Pradeep Singh, <i>Lko.</i> (Emp. no. 3514), High Court Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow. | A.R.-cum-P.S. Gr.-II | P.S. Gr.-I | To be reverted on his parent post of P.S. Gr.-I on account of reversion of Sri Chobrolu Srinivasa Rao on the post of A.R.-cum-P.S. Gr.-II. |
| 03 | Amit Kumar, <i>Lko.</i> (Emp. no. 3649), posted at High Court Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow. | P.S. Gr.-I | A.P.S. | To be reverted on his parent post of A.P.S. on account of reversion of Sri Pradeep Singh on the post of P.S. Gr.-I. |

September 28, 2020

No. 80--Sri Hira Lal Bari (Emp. no. 3359), provisionally promoted as Deputy Registrar subject to clearing of interview as per Rule 20(c) of the Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1976, through Notification no. 69, dated September 16, 2020, has fulfilled the condition of his promotion to the post of Deputy Registrar and therefore he is promoted as Deputy Registrar from the date he took charge as Deputy Registrar upon provisional promotion.

October 01, 2020

No. 81--From the date of taking over charge, Sri Anup Kumar Sachan, Assistant Registrar-cum-Bench Secretary Grade-II, (Emp. no. 6005), High Court, Allahabad is hereby promoted as Deputy Registrar-cum-Bench Secretary Grade-III, High Court, Allahabad in the pay scale of P.B.-3, Rs. 15,600-39,100, Grade Pay Rs. 7,600 (Level-12 Revised as per 7th pay commission) in the vacancy caused due to retirement of Sri Anuj Raj Singh.

No. 82--From the date of taking over charge, Sri Avishkar Srivastava, Bench Secretary Grade-I, (Emp. no. 7178), High Court, Allahabad is hereby promoted as Assistant Registrar-cum-Bench Secretary Grade-II, High Court, Allahabad in the pay scale of P.B.-3, Rs. 15,600-39,100, Grade Pay Rs. 6600 (Level-11 Revised as per 7th pay commission) in the consequential vacancy caused due to promotion of Sri Anup Kumar Sachan.

(The promotions, notified above, shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this court).

No. 83--In view of prevailing transfer policy, following 01 Joint Registrar, High Court of Judicature at Allahabad, who has been drawing salary from Lucknow Bench of this Court, will draw salary from High Court of Judicature at Allahabad :

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Joint Registrar |
|---------|----------|-------------------------|
| 1 | 3295 | Sri. Arun Kumar-II |

No. 84--From the date of taking over charge, following 01 Deputy Registrar, High Court of Judicature at Allahabad is hereby provisionally promoted as Joint Registrar, in the pay scale Level-13, subject to clearing of training and interview as per rule 20(d) of the Allahabad High Court Officers and Staff (conditions of Service and conduct) Rules, 1976 :

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Deputy Registrar |
|---------|----------|--------------------------|
| 1 | 3300 | Sri. Ambika Prasad Pal |

(The provisional promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this court).

(In view of prevailing transfer policy, Sri Ambika Prasad Pal will draw salary from Lucknow Bench of this Court as Joint Registrar).

No. 85--In view of prevailing transfer policy, following 02 Deputy Registrars, High Court of Judicature at Allahabad, who have been drawing salary from Lucknow Bench of this Court, will draw salary from High Court of Judicature at Allahabad :

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Deputy Registrar | Remarks |
|---------|----------|--------------------------|---|
| | | <i>S/Sri.-</i> | |
| 1 | 3409 | Pramod Kumar | |
| 2 | 3410 | Shri Ram Vishwakarma | In the vacancy to occur due to provisional promotion of Deputy Registrar, notified above. |

No. 86--From the date of taking over charge, following 03 Assistant Registrars, High Court of Judicature at Allahabad, are hereby provisionally promoted as Deputy Registrars, in the pay scale Level-12, subject to clearing of interview as per rule 20(c) of the Allahabad High Court Officers and Staff (conditions of Service and conduct) Rules, 1976 :

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Assistant Registrar |
|---------|----------|-----------------------------|
| | | <i>S/Sri.-</i> |
| 1 | 3386 | Vijaya Bahadur Yadava |
| 2 | 3431 | Rajesh Kumar Pal |
| 3 | 2734 | Jai Kishan Soni |

(The provisional promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this court).

(Sri Jai Kishan Soni, Assistant Registrar is provisionally promoted in the consequential vacancy to occur due to provisional promotion of Deputy Registrar, notified above)

(In view of prevailing transfer policy, S/Sri Vijaya Bahadur Yadava, Rajesh Kumar Pal and Jai Kishan Soni will draw salary from Lucknow Bench of this Court as Deputy Registrar).

No. 87--From the date of taking over charge, following 03 Section Officers, High Court of Judicature at Allahabad and its Lucknow Bench, Lucknow are hereby provisionally promoted as Assistant Registrar, in the pay scale Level-11, subject to clearing of interview as per Rule 20(a) of the Allahabad High Court Officers and Staff (conditions of Service and conduct) Rules, 1976 :

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Section Officer |
|---------|----------|---------------------------|
| | | <i>S/Sri.</i> — |
| 1 | 2913 | Pankaj Misra, <i>Lko.</i> |
| 2 | 6087 | Vinay Kumar Singh |
| 3 | 6093 | Shyam Chandra |

(The provisional promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this court).

(The Section Officers mentioned above, are provisionally promoted in the consequential vacancies to occur due to provisional promotion of Assistant Registrars, notified above)

(In view of prevailing transfer policy, Sri Pankaj Misra will draw salary from High Court of Judicature at Allahabad as Assistant Registrar).

No. 88--In view of prevailing transfer policy, following 01 Section Officer, High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow, who has been drawing salary from High Court of Judicature at Allahabad, will draw salary from Lucknow Bench of this Court :

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Section Officer | Remarks |
|---------|----------|---------------------------------------|--|
| 1 | 7255 | Sri. Auditya Kumar Singh, <i>Lko.</i> | In the vacancy to occur due to provisional promotion of Section Officer posted at Lucknow Bench of this Court, notified above. |

No. 89--From the date of taking over charge, following 03 Review Officers, High Court of Judicature at Allahabad and its Lucknow Bench, Lucknow are hereby promoted as Section Officer in the pay scale Level-10, with the condition that their promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this court).

| Sl. no. | Emp. no. | Name of Review Officer |
|---------|----------|------------------------------|
| | | <i>S/Sri.</i> — |
| 1 | 7375 | Sunil Kumar Rai |
| 2 | 7377 | Devendra Tripathi |
| 3 | 7378 | Sudhansu Mishra, <i>Lko.</i> |

(The Review Officers, mentioned above, are promoted in the consequential vacancies to occur due to provisional promotion of Section Officers, notified above)

(In view of prevailing transfer policy, Sri Sudhansu Mishra will draw salary from High Court of Judicature at Allahabad as Section Officer).

By order of
Hon'ble the Chief Justice,
(*Sd.*) ILLEGIBLE,
Registrar General.

ACCOUNTS (C-3) SECTION

CORRIGENDUM

September 18, 2020

No. 2386/Accounts (C-3)--With reference to the Notification no. 76 dated September 17, 2020, at Sl. no. 1 the name of Sri Suresh Chandra, D. R.-cum-B.S. Grade-III, Emp. no. 3355 is inadvertently mentioned as "Suresh Kumar" which should be read as "Suresh Chandra".

(*Sd.*) ILLEGIBLE,
Joint Registrar,
(Accounts C-3).

सं० 3643/जी०-354-ए/60-15(1)-उत्तर प्रदेश जोत
चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ० प्र० अधिनियम संख्या 5,

सं० 3651/जी०-177/66/2019-20-उत्तर प्रदेश
जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ० प्र० अधिनियम

संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील भीटी, जनपद अम्बेडकरनगर के ग्राम रेवली में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

21 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 3691/जी0-155/67—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिसवां, जनपद सीतापुर के ग्राम सतनापुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3692/जी0-354/60-15—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से पूर्व तहसील शिकोहाबाद वर्तमान तहसील सिरसागंज, जनपद फिरोजाबाद के ग्राम खटुआमई जोकि धारा-4क(2) के अन्तर्गत जारी विज्ञप्ति दिनांक 28 फरवरी, 2009 में खटुमई के रूप में विज्ञापित किया गया, में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

23 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 3793/जी0-157-ए/2020-21—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति

संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से पूर्व तहसील जलालाबाद वर्तमान तहसील कलान, जनपद शाहजहांपुर के ग्राम अतरीनिजामपुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3792/जी0-176/97—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सकलडीहा, जनपद चन्दौली के ग्राम धानापुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3791/जी0-329/58-87—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील शिकारपुर, जनपद बुलन्दशहर के ग्राम सिद्धगढ़ी में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

29 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 3888/जी0-247/64-2015—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके

मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील फूलपुर, जनपद प्रयागराज के ग्राम अहिराई में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3887/जी0-28/2019-20(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिल्सी, जनपद बदायूँ के ग्राम शेखानगला में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3886/जी0-355/60-08(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील अमरोहा, जनपद अमरोहा के ग्राम चक कालीलेट में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3885/जी0-205/56—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बुढ़ाना, जनपद मुजफ्फरनगर के ग्राम राजपुर छाजपुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3884/जी0-123/58-88—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिजनौर, जनपद बिजनौर के ग्राम पुठठा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3883/जी0-229/62-2015—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा के निम्नलिखित ग्रामों में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं :

ग्रामों की सूची

| जनपद | तहसील | क्रमांक | ग्राम का नाम |
|--------|--------|---------|----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| अमरोहा | हसनपुर | 1 | आजादपुर माफी |
| | | 2 | पाईन्दापुर मु0 |

सं0 3882/जी0-61-B/57/2019-20—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील चन्दौसी,

जनपद सम्मल के ग्राम ईसापुर सामी उर्फ लठीरा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3881/जी0-166/65—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील लखीमपुर, जनपद लखीमपुर खीरी के ग्राम करनपुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 3880/जी0-229/62-06—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा के ग्राम-बुरावली में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

09 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 4324/जी0-175/59-2019—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील पयागपुर, जनपद बहराइच के ग्राम-शिवपुर बैरागी में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4325/जी0-154-ए/70—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति

संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील करनैलगंज, जनपद गोण्डा के ग्राम-दुरौनी में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4326/जी0-175/59-91—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील मुहम्मदाबाद गोहना, जनपद मऊ के ग्राम-काझा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4327/जी0-167/59-86—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-6 की उपधारा (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 8313/आई0ए0-813/1954, दिनांक 19 अक्टूबर, 1956 द्वारा यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, तहसील घाटमपुर, जनपद कानपुर नगर के निम्नलिखित ग्रामों में उपर्युक्त अधिनियम की धारा 4-क(2) के अधीन जारी की गई विज्ञप्ति संख्या 2183/जी0-610(2)10/11, दिनांक 23 अप्रैल, 2012 एतद्वारा निरस्त करता हूँ :

ग्रामों की सूची

| जनपद | तहसील | क्रमांक | ग्राम का नाम |
|------------|---------|---------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| कानपुर नगर | घाटमपुर | 1 | जल्ला |
| | | 2 | सरगाव |

12 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 4348/जी0-172/2020-21/धारा-6(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-6 की उपधारा (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 8313/आई0ए0-813/

1954, दिनांक 19 अक्टूबर, 1956 द्वारा यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, तहसील सदर, जनपद मीरजापुर के ग्राम तिलठी में उपर्युक्त अधिनियम की धारा 4(2) के अधीन जारी की गई विज्ञप्ति संख्या 1097/जी0-610/2012, दिनांक 21 फरवरी, 2018 एतद्वारा निरस्त करता हूँ :

सं0 4349/जी0-233/2017-18—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील शाहाबाद, जनपद हरदोई के निम्नलिखित ग्रामों में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

ग्रामों की सूची

| जनपद | तहसील | क्रमांक | ग्राम का नाम |
|-------|---------|---------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| हरदोई | शाहाबाद | 1 | मगरापुर |
| | | 2 | पीरपुर |

सं0 4350/जी0-166-ए/70/2019-20—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील मधुबन, जनपद मऊ के ग्राम-बरोहा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4351/जी0-42/54-81—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के

अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील शाहगंज, जनपद जौनपुर के ग्राम-जगबन्दनपुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4352/जी0-247/64-2015—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील फूलपुर, जनपद प्रयागराज के ग्राम-गोवर्धनपुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4353/जी0-352/60-16—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील करहल, जनपद मैनपुरी के ग्राम-दिहुली में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4354/जी0-166-A/65—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील धौरहरा, जनपद लखीमपुर खीरी के ग्राम-बम्हौरी में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4355/जी0-166/65—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील लखीमपुर, जनपद लखीमपुर खीरी के ग्राम-कुनैठिया में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

14 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 4396/जी0-155/67—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिसवां, जनपद सीतापुर के निम्नलिखित ग्रामों में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं :

ग्रामों की सूची

| जनपद | तहसील | क्रमांक | ग्राम का नाम |
|---------|--------|---------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| सीतापुर | बिसवां | 1 | गड़वाडीह |
| | | 2 | रामपुर खुर्द |

15 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 4431/जी0-170(1)/85—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-

टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील ऊँचाहार, जनपद रायबरेली के ग्राम-बेनीकोपा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4432/जी0-155/67(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिसवां, जनपद सीतापुर के ग्राम-तेलईगाँव में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4433/जी0-179/91—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील राबर्टसगंज, जनपद सोनभद्र के ग्राम-मेहुडी कला में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

19 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 4437/जी0-49-A/54-81—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-

टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बीघापुर, जनपद उन्नाव के ग्राम-अकवाबाद में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4438/जी0-361/60-15—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सदर, जनपद जौनपुर के ग्राम-हुसेनाबाद देहाती में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4439/जी0-160/65—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी

संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बिल्हौर, जनपद कानपुर नगर के ग्राम-बोझा में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4440/जी0-352/60-16—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील करहल, जनपद मैनपुरी के ग्राम-अहलादपुर में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

सं0 4441/जी0-152/90/2011—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0 प्र0 अधिनियम संख्या 5, 1954 ई0) की धारा-52 (1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश संख्या 23/1/1(5)-1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, बी0 राम शास्त्री, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्द्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील लम्भुआ, जनपद सुल्तानपुर के ग्राम-जमखुरी में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

23 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 5329/ई0-403/2012-13—उत्तर प्रदेश राजस्व चकबन्दी सेवा नियमावली संख्या 54/1-88-1-राजस्व-8, दिनांक 25 मार्च, 1992 यथा संशोधन, दिनांक 19 दिसम्बर, 1995 के प्रस्तर-16 में निहित व्यवस्थानुसार एवं शासन के पत्र संख्या 315/1-8-2019-रा0-8, दिनांक 26 जुलाई, 2019, पत्र संख्या एमएलए-01/1-8-2020-रा0-8, दिनांक 08 जून, 2020, पत्र संख्या 1038/एक-8-2020-रा0-8, दिनांक 06 अगस्त, 2020 में प्रदत्त निर्देशों तथा शासनादेश दिनांक 23 मई, 2008 व शासनादेश संख्या 35/65-03-11-78/99 विकलॉग कल्याण अनुभाग-3, दिनांक 13 जनवरी, 2011 में निहित प्राविधानानुसार बैकलॉग कोटे के रिक्त चकबन्दी अधिकारी पदों पर निम्नलिखित दिव्यांगजन सहायक चकबन्दी अधिकारियों को उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से वेतन बैण्ड रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 5,400.00, जो कि शासनादेश संख्या 67/2016/वे0आ0-2-1447/दस-04(एम)/2016, दिनांक 22 दिसम्बर, 2016

के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (56,100-1,77,500) में चकबन्दी अधिकारी के पद पर प्रोन्नत कर मौलिक रूप से कार्यरत जनपद में ही नियुक्त किया जाता है। इनकी तैनाती के आदेश बाद में पृथक् से निर्गत किये जायेंगे। यह 02 वर्ष की परीक्षा अवधि पर रहेंगे तथा कार्य व आचरण के आधार पर परीक्षा अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या ए-726/2015 अरुण कुमार यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य तथा रिट याचिका संख्या ए-728/2015 तेज बहादुर यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य में मा0 उच्च न्यायालय ने निम्न आदेश पारित किया है :

"Any promotion made abide by result of the writ petition." इस प्रकार यह पदोन्नति उक्त रिट याचिकाओं में पारित अन्तिम आदेश के अधीन रहेगी :

| क्र0 सं0 | अधिकारी का नाम | कोटिक्रम सूची का क्रमांक | कार्यरत जनपद |
|----------|------------------------------------|--------------------------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | ज्ञानेन्द्र कुमार राय (दिव्यांग) | 226 | हापुड़ |
| 2 | चन्द्रिका प्रसाद शुक्ला (दिव्यांग) | 356 | संतकबीरनगर |

बी0 राम शास्त्री,
चकबन्दी संचालक,
उत्तर प्रदेश।

जनता के प्रयोजनार्थ भूमि नियोजन की विज्ञप्ति

सिंचाई विभाग

19 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 823/आठ-वि0भू0अ0अ0/बिजनौर-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) राय है, कि मध्य गंगा नहर निर्माण खण्ड 3 अमरोहा (आपेक्षक निकाय का नाम) के माध्यम से सार्वजनिक प्रयोजन मध्य गंगा नहर परियोजना द्वितीय चरण परियोजना हेतु जनपद बिजनौर, तहसील चांदपुर, परगना बास्टा, ग्राम चौधेडी में कुल 1.9169 हे0 भूमि की आवश्यकता है।

2-जिसे समुचित सरकार द्वारा.....शून्य.....दिनांक.....शून्य.....को अनुमोदित किया गया है।

3-सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश इस प्रकार है-

.....शून्य.....

.....शून्य.....

.....शून्य.....

4-भूमि अर्जन के कारण कुलशून्य..... परिवार के विस्थापित होने की संभावना है इस विस्थापन के लिये अपरिहार्य कारण निम्नवत् है-

.....शून्य.....

.....शून्य.....

.....शून्य.....

डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेंट कलेक्टरशून्य..... को प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त किया जाता है।

5-अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सहर्ष सहमति देते हैं :

अनुसूची

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | भू-खण्ड संख्या | अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल |
|---------|---------|--------|--------|----------------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | हेक्टेयर |
| बिजनौर | चाँदपुर | बास्टा | चौधेडी | 240 / 1 | 0.4385 |
| | | | | 240 / 2 | 1.4784 |
| योग . . | | | | | 1.9169 |

6-अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिये समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निदेश देते हैं।

7-अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 (दिन) के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8-अधिनियम की धारा 11 (4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का संव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी—उक्त भूमि का स्थल नक्शा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

ह0 (अस्पष्ट),
जिला कलेक्टर, बिजनौर।

17 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 822—भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के प्रयोजन हेतु) राय है, कि उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा अधि0अभि0 मध्य गंगा नहर गुण नियंत्रण खण्ड 2 हरिद्वार (आपेक्षक निकाय का नाम) के माध्यम से सार्वजनिक प्रयोजन मध्य गंगा नहर परियोजना (द्वितीय चरण) परियोजना हेतु जनपद बिजनौर, तहसील चाँदपुर, परगना बास्टा, ग्राम बिरमपुर में कुल 1.510 हे0 भूमि की आवश्यकता है।

2-दिनांक.....

3-रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह प्रस्ताव सिंचाई विभाग से सम्बन्धित है।

.....शून्य.....

.....शून्य.....

.....शून्य.....

4-भूमि अर्जन के कारण कुलशून्य..... परिवार के विस्थापित होने की संभावना है इस विस्थापन के लिये अपरिहार्य कारण निम्नवत् है-

.....शून्य.....

.....शून्य.....

.....शून्य.....

डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेंट कलेक्टरशून्य..... को प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त किया जाता है।

5-अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सहर्ष सहमति देते हैं :

अनुसूची

| जनपद | तहसील | परगना | ग्राम | भू-खण्ड संख्या | अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल |
|--------|--------|--------|---------|----------------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | | | | | हेक्टेयर |
| बिजनौर | चौदपुर | बास्टा | बिरमपुर | 36/1 | 1.0120 |
| | | | | 76 | 0.4980 |
| | | | | योग . . | 1.510 |

6-अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिये समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

7-अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 (दिन) के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8-अधिनियम की धारा 11 (4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का संव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी—उक्त भूमि का स्थल नक्शा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

ह0 (अस्पष्ट),
जिला कलेक्टर, बिजनौर।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 28 नवम्बर, 2020 ई० (अग्रहायण 7, 1942 शक संवत्)

भाग 7-ख

इलेक्शन कमीशन आफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां।

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, तारीख : 18 अगस्त, 2020 ई०

27 श्रावण, 1942 (शक)

आदेश

सं० 76/उ०प्र०-वि०स०/79/2017-यतः, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य में 79-सादाबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से साधारण निर्वाचन, 2017 की घोषणा प्रेस नोट संख्या ईसीआई/प्रे०नो०/1/2017, दिनांक 4 जनवरी, 2017 के जरिए की गयी थी; और

यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 78 के अनुसार, निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को, निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की तारीख से 30 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय के अपने लेखे की सही प्रति सम्बन्धित जिला निर्वाचन अधिकारी को दाखिल करनी होती है; और

यतः, 79-सादाबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उक्त विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचन के परिणाम दिनांक 11 मार्च, 2017 को घोषित किये गये थे और इस प्रकार, निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल करने की अन्तिम तारीख 10 अप्रैल, 2017 थी; और

यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, हाथरस जिला, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तुत दिनांक 12 अप्रैल, 2017 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 79-सादाबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी श्री रामेश्वर अपने निर्वाचन व्यय का सही लेखा विधि द्वारा यथापेक्षित रीति से दाखिल करने में विफल रहे हैं; और

यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, की उक्त रिपोर्ट के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम(5) के अन्तर्गत श्री रामेश्वर को दिनांक 18 अक्टूबर, 2018 को निर्वाचन व्यय का लेखा निम्नलिखित त्रुटियों के साथ दाखिल करने हेतु कारण बताओ नोटिस नं० 76/उ०प्र०-वि०स०/79/भा०नि०आ०/नोटिस/टेरी०/ उ०अनु०-III-उ०प्र०/ 2017 जारी किया गया था; और

(1) निर्वाचन व्यय की मदों के सन्दर्भ में बिल वाउचर प्रस्तुत नहीं किये गये हैं।

(2) बैंक स्टेटमेन्ट प्रस्तुत नहीं किया गया है; और

यतः, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 89 के उप नियम (6) के अनुसार एवं उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के द्वारा श्री रामेश्वर को निर्देश दिया गया था कि वे इस नोटिस के प्राप्त होने के 20 दिनों के भीतर लेखा दाखिल नहीं करने के कारणों को स्पष्ट करते हुए लिखित रूप में अपना अभ्यावेदन निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें और साथ ही उक्त त्रुटियों को दूर करते हुए अपना निर्वाचन व्ययों का लेखा जिला निर्वाचन अधिकारी, हाथरस के समक्ष प्रस्तुत करें; और

यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, हाथरस जिला, द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को प्रस्तुत की गयी पावती रसीद के अनुसार, उक्त नोटिस श्री रामेश्वर को दिनांक 3 नवम्बर, 2018 को उनके द्वारा नामांकन पत्र में दर्शाये गये पते पर तामील किया गया था; और

यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, हाथरस ने दिनांक 7 अगस्त, 2019 तथा 18 मार्च, 2020 की अपनी अनुपूरक रिपोर्ट में यह बताया है कि श्री रामेश्वर द्वारा अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है और मूल वाउचर सहित हस्ताक्षरित निर्वाचन व्यय के सही लेखे का विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया है; और

यतः, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थी श्री रामेश्वर को अन्तिम अवसर प्रदान करते हुये पत्र सं0 76/उ0प्र0-वि0स0/79/भा0नि0आ0/पत्र/टेरी0/उ0अनु0-III-उ0प्र0/2017, दिनांक 2 जुलाई, 2020 जारी किया गया, जो जिला निर्वाचन अधिकारी, हाथरस के माध्यम से उन्हें दिनांक 4 जुलाई, 2020 को प्राप्त हुआ; और

यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी, से प्राप्त दिनांक 07 अगस्त, 2020 की रिपोर्ट के अनुसार श्री रामेश्वर द्वारा उक्त कर्मियों को सुधारते हुए न तो कोई लेखा जमा किया गया है न ही कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है। इसके अतिरिक्त, उक्त नोटिस/पत्र मिलने के उपरान्त भी अभ्यर्थी द्वारा उक्त विफलता के लिए भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया है; और

यतः, तथ्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर, आयोग का यह समाधान हो गया है कि श्री रामेश्वर विहित प्रपत्र में अपने निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल करने में विफल रहे हैं और उनके पास इस विफलता के लिए कोई भी उचित कारण अथवा औचित्य नहीं है; और

यतः, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क में अनुबन्धित किया गया है कि :-

“यदि निर्वाचन आयोग का समाधान हो जाता है कि कोई व्यक्ति-

(क) निर्वाचन व्ययों का लेखा उस समय के भीतर और उस रीति में जैसी इस अधिनियम के द्वारा या अधीन अपेक्षित है, दाखिल करने में विफल रहा है; तथा

(ख) उस विफलता के लिए कोई अच्छा कारण या औचित्य नहीं है

तो निर्वाचन आयोग शासकीय राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा उसको निरर्हित घोषित करेगा और ऐसा व्यक्ति उस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित होगा।”;

अतः, अब लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग एतद्वारा घोषणा करता है कि श्री रामेश्वर, निवासी म0नं0 28 ग्राम मई, तहसील सादाबाद, जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश, जो उत्तर प्रदेश विधान सभा साधारण निर्वाचन, 2017 में 79-सादाबाद विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी थे, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए संसद के किसी भी सदन अथवा राज्य अथवा संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद का सदस्य चुने जाने अथवा होने के लिए निरर्हित होंगे।

आदेश से,
अनुज जयपुरियार,
वरिष्ठ प्रधान सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

आज्ञा से
अजय कुमार शुक्ला
सचिव।

ELECTION COMMISSION OF INDIA*New Delhi dated the**18th August, 2020
27th Shravana, 1942 (Saka).***ORDER**

No. 76/UP-LA/79/2017--WHEREAS, the General Election for 79-Sadabad Assembly Constituency of Uttar Pradesh, 2017 was announced by the Election Commission of India vide Press Note No. ECI/PN/1/2017 dated 4th January, 2017; and

WHEREAS, as per Section 78 of the Representation of the People Act, 1951, every contesting candidate has to lodge a true copy of the his accounts of election expenses within 30 days with the concerned District Election Officer, from the date of election of the returned candidate; and

WHEREAS, the result of the election for 79-Sadabad Assembly Constituency was declared by the Returning Officer on 11th March, 2017 and hence the last date for lodging the accounts of election expenses was 10th April, 2017; and

WHEREAS, as per the report dated 12th April, 2017 submitted by the District Election Officer, Hathras District, Uttar Pradesh, Shri Rameshwar, a contesting candidate from 79-Sadabad Assembly Constituency of Uttar Pradesh has failed to lodge accounts of his election expenses, in the manner prescribed under the law; and

WHEREAS, on the basis of the said report of the District Election Officer, a Show-Cause notice No. 76/UP-LA/79/ECI/Notice/TERR/NS-III-UP/2017, dated 18th October, 2018 was issued under Sub Rule (5) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961 by the Election Commission of India to Shri Rameshwar, for the following defects in accounts of his Election expenses:--

- (i) Bill vouchers have not been presented in respect of items of election expenditure.
- (ii) Bank Statement has not been submitted; and

WHEREAS, through the above said Show Cause Notice and as required under Sub Rule (6) of Rule 89 of the Conduct of Election Rules, 1961, Shri Rameshwar was directed to submit his representation in writing to the Commission explaining the reason for the above said shortcomings in his accounts of election expenses and also to lodge the accounts, after rectifying the above mentioned defects, with the District Election Officer, Hathras within 20 days from the date of receipt of the notice; and

WHEREAS, as per the acknowledgement receipt made available to the Election Commission by the District Election Officer, Hathras, the said notice was served to Shri Rameshwar on 3rd November, 2018 at the address provided by the candidate in the nomination papers; and

WHEREAS, the District Election Officer, Hathras has submitted in his supplementary report, dated 7th August, 2019 and 18th March, 2020 that Shri Rameshwar, has not submitted any representation or a statement of correct account of his election expenses, duly signed along with original vouchers etc. till date; and

WHEREAS, the candidate was given last opportunity to rectify the defects found in his account, *vide* Commission's letter No. 76/UP-LA/79/ECI/LET/TERR/NS-III-UP/2017, dated 2nd July, 2020, which was served to him on 4th July, 2020 through the District Election Officer, Hathras; and

WHEREAS, as per the report, dated 7th August, 2020 submitted by the District Election Officer to the Commission, Shri Rameshwar has neither rectified the above mentioned defects nor any representation has been received from him. Further, no representation from the candidate has been received in the Secretariat of the Election Commission of India, after delivery of the above mentioned notice/letter; and

WHEREAS, on the basis of facts and a available records, the Commission is satisfied that Shri Rameshwar has failed to lodge his accounts of election expenses in the manner prescribed under law and has no good reason or justification for the failure to do so; and

WHEREAS, Section 10A of the Representation of the People Act, 1951 provides that--

"If the Election Commission is satisfied that a person-

(a) Has failed to lodge an account of election expenses within the time and in the manner required by or under this Act; and

(b) Has no good reason or justification for the failure,

the Election Commission shall, by order published in the Official Gazette, declare him to be disqualified and any such person shall be disqualified for a period of three years from the date of the order.";

NOW THEREFORE, in pursuance of Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission of India hereby declares Shri Rameshwar, resident of H.No. 28 Village-Mai, Tehsil-Sadabad, District Hathras, Uttar Pradesh and a contesting candidate from 79-Sadabad Assembly Constituency of the State of Uattar Pradesh in the General Elections to the State Legislative Assembly, 2017 to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or the Legislative Assembly or Legislative Council of a State or Union Territory for a period of three years from the date of this order.

By order,
ANUJ JAIPURIAR,
Senior Principal Secretary,
Election Commission of India.

By order,
AJAY KUMAR SHUKLA,
Secretary.



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 28 नवम्बर, 2020 ई० (अग्रहायण 7, 1942 शक संवत्)

भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

कार्यालय, नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र

06 अक्टूबर, 2020 ई०

लाईसेंसिंग शुल्क उपविधि, 2020

सं० 213/न०पं०/2020-21-उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत, घोरावल बोर्ड द्वारा नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 294 के अन्तर्गत तथा शासनादेश संख्या 23/नौ-9-94-2014, जनरल/90 नगर विकास अनुभाग-9 उ०प्र० शासन लखनऊ, दिनांक 27 अक्टूबर, 1994 एवं संशोधित सं० 161/नौ-9-97-23-ज/9 नगर विकास अनुभाग-9 उ०प्र० शासन लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर, 1997 के आलोक में नगर पंचायत की सीमान्तर्गत रोजगारों/दुकानों व्यवसायों को निर्धारित करने के लिए उपनियम बनाये जाते हैं इस विज्ञप्ति के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 301 के प्रयोगार्थ प्रकाशित किया जाता है। इस उपविधि के उपनियम से जिस किसी को भी आपत्ति/सुझाव हो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि के 30 दिवस के अन्दर नगर पंचायत घोरावल सोनभद्र को दे सकता है।

निर्धारित तिथि के अन्दर कोई आपत्ति या सुझाव नहीं प्राप्त होने पर अन्तिम निर्णय पश्चात् सरकारी गजट में प्रकाशन हेतु प्रेषित कर दिया जायेगा। जो गजट प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।

लाईसेंसिंग शुल्क उपविधि-2020

1-**संक्षिप्त नाम**—यह उपविधि नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र लाईसेंसिंग शुल्क उपविधि, 2020 कहलायेगी।

2-**परिभाषा**—जब तक विषय या प्रसंग में कोई प्रतिकूल बात न हो तो इस नियमावली में—

(क) “अधिनियम” का तात्पर्य उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 है।

(ख) “नगर पंचायत” का तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल से है।

(ग) “अध्यक्ष” का तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल, जनपद सोनभद्र के अध्यक्ष से है।

(घ) “अधिशासी अधिकारी” का तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल, जनपद सोनभद्र के अधिशासी अधिकारी से है।

(च) “लाईसेंसिंग शुल्क” का तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल, जनपद सोनभद्र सीमान्तर्गत दुकानों, रोजगारों, मशीन द्वारा चलने वाले रोजगारों/दुकानों पर लाईसेंस फीस/शुल्क से है।

3—इस उपविधि द्वारा नगर पंचायत के अन्तर्गत व्यवसाय करने वाले व्यवसाय, दुकानों, मशीनों से चलने वाले रोजगारों परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं, होटल रेस्टोरेन्ट, पेट्रोलियम आदि पर लाइसेन्स शुल्क/कर है।

4—किसी भी लाइसेन्स शुल्क जमा करने की तिथि 01 अप्रैल से 31 मार्च तक एक वर्ष के लिए होगी।

5—इस उपविधि के अन्तर्गत कोई व्यक्ति जो इसके अन्तर्गत आते हैं। बिना शुल्क जमा किये दुकान नहीं चला सकेगा तथा पूर्व से चल रही दुकानों/व्यवसायों/मशीनरी आदि को निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

6—कोई भी व्यक्ति इस उपविधि के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क जमा करने के उपरान्त ही व्यवसाय/दुकान चला सकेगा।

7—इस उपविधि के अन्तर्गत जारी किया गया लाइसेन्स 1 अप्रैल से 31 मार्च तक एक वर्ष की अवधि के लिए ही मान्य होगा। वित्तीय वर्ष में खोले गये दुकानों पर लाइसेंसिंग शुल्क लिया जायेगा।

8—लाइसेन्स के नवीनीकरण हेतु प्रत्येक प्रार्थना-पत्र 15 मार्च तक दिया जायेगा और लाइसेन्स 15 अप्रैल तक जारी होगा। जो कि 01 अप्रैल पढ़ा व समझा जायेगा।

9—लाइसेन्स के लिए दिये प्रार्थना-पत्र में सम्पूर्ण विवरण स्थान का विस्तृत पता दिया जाय।

10—इस उपविधि के प्रयोजनों के लिए अधिशासी अधिकारी लाइसेन्स अधिकारी होंगे।

11—लाइसेन्स शुल्क निम्नानुसार तालिका के अनुरूप जमा करवाया जायेगा:

39 बिन्दु लाइसेन्सिंग शुल्क दरें

| क्र०सं० | मद का नाम | निर्धारित दरें |
|---------|---|--|
| | | निर्धारित दर |
| 1 | 2 | 3 |
| | | रु० |
| | होटल/रेस्टोरेन्ट | |
| 1 | लाजिंग | 500.00 |
| 2 | गेस्ट हाउस | 500.00 |
| 3 | खाने के होटल(ढ़ाबा) | 500.00 |
| 4 | मिठाई की दुकान | 500.00 |
| | नर्सिंग होम | |
| 5 | प्राइवेट अस्पताल | 1,000.00 |
| 6 | पैथालाजी सेन्टर, | 1,000.00 |
| 7 | मेडिकल स्टोर | 750.00 |
| 8 | एक्सरे क्लीनिक | 1,000.00 |
| 9 | डेंटल क्लीनिक | 1,000.00 |
| 10 | प्राइवेट क्लीनिक | 1,000.00 |
| | परिवहन | |
| 11 | आटो रिक्शा 2 सीटर | परिवहन क्रमांक 13 से 23 तक लगने वाला कर नगर पंचायत बोर्ड के निर्णय के विचाराधीन रहेगा। |
| 12 | आटो रिक्शा 7 सीटर | |
| 13 | आटो रिक्शा 4 सीटर | |
| 14 | मिनी बस | |
| 15 | बस | |
| 16 | तांगा | |
| 17 | रिक्शा किराये पर | |
| 18 | रिक्शा (निजी चालित) | |
| 19 | ठेला/ठेली | |
| 20 | बैल गाड़ी/भैसा गाड़ी | |
| 21 | ट्राली | |
| 22 | फाइनेन्स कम्पनी, पोल्ट्री फार्म तक | 2,000.00 |
| 23 | इन्ड्योरेन्स कम्पनी प्रति शाखा, मोबाईल टावर, गैस एजेन्सी, | 2,000.00 |
| | लोहा एवं हार्ड वेयर कम्पनी | 1,500.00 |
| | लोहा व्यापारी सिमेन्ट सरिया ईटा बालू मिट्टी | 1,500.00 |
| | थोक मोरंग मारबल टाइल्स सेनेटरी | 2,000.00 |

| 1 | 2 | 3 |
|----|--|----------|
| | | रु0 |
| 24 | (टेन्ट हाउस) | 1,000.00 |
| | फल एजेन्सी आदृत | 500.00 |
| | एजेन्सी लिमिटेड | 1,000.00 |
| | कपड़े की दुकान/रेडीमेड कपड़े की दुकान (05 कर्मचारी या अधिक कर्मचारी) होजरी इत्यादि | 1,000.00 |
| | ज्वेलरी शाप की दुकान | 1,000.00 |
| | बीड़ी कारखाना | 500.00 |
| | खाद/बीज की दुकान | 1,000.00 |
| | कम्प्यूटर/कोचिंग सेन्टर | 500.00 |
| | डी0जे0कम्पनी | 500.00 |
| | लाइट एण्ड साउन्ड कम्पनी | 1,000.00 |
| | इलेक्ट्रानिक दुकान | 500.00 |
| | फुटकर कपड़े की दुकान | 500.00 |
| | मिठाई की दुकान | 500.00 |
| | चाय की दुकान | 200.00 |
| | पान की दुकान | 200.00 |
| | टेलरिंग हाऊस 5 कर्मचारी तक | 500.00 |
| | बर्तन की दुकान | 1,000.00 |
| | जनरेटर किराये पर चलाये जाने पर | 200.00 |
| | सब्जी की दुकान | 500.00 |
| | गल्ला अनाज की दुकान थोक विक्रेता | 2,000.00 |
| | गल्ला अनाज की दुकान फुटकर विक्रेता | 500.00 |
| 25 | बीयर शाप | 1,000.00 |
| 26 | देशी शराब (प्रति दुकान) | 1,000.00 |
| 27 | विदेशी शराब (प्रति दुकान) | 1,000.00 |
| 28 | आईस फैक्ट्री | 500.00 |
| 29 | विल्डिंग मैटेरियल | 1,000.00 |
| 30 | मुर्गा/मांस बिक्री | 750.00 |
| 31 | किताब कापी की दुकान | 750.00 |
| 32 | आटा चक्की तेल पेराई | 500.00 |
| 33 | ब्यूटीपार्लर | 200.00 |
| 34 | नाई की दुकान | 200.00 |
| 35 | मोबाईल की दुकान | 500.00 |
| 36 | प्रति पशु पालक | 200.00 |
| 37 | कांजी हाउस में बन्द जानवरों पर जुर्माना | 500.00 |
| 38 | प्रतिदिन खुराकी छोटे जानवर (बकरी आदि) | 50.00 |
| 39 | प्रतिदिन खुराक बड़े जानवर (गाय भैस, घोड़ा आदि) | 100.00 |

14-यदि किसी मशीन/दुकान आदि पर एक से अधिक कार्य किये जाएं तो मूल लाइसेन्स फीस के अतिरिक्त प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग फीस/शुल्क लिया जायेगा।

15—इन उपविधियों में से कोई भी लाइसेन्सधारी द्वारा किसी एक का भी उल्लंघन होने पर लाइसेंसिंग अधिकारी को लाइसेंस समाप्त करने या निलम्बित करने का अधिकार होगा।

दण्ड

उत्तर प्रदेश पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) के द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए इन उपविधियों में से किसी का भी उल्लंघन करने पर अर्थदण्ड रु0 1,000.00 (मु0 एक हजार रुपये मात्र) तक के साथ यदि निरन्तर जारी रहा तो अतिरिक्त जुर्माना के साथ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

ह0(अस्पष्ट)
अध्यक्ष,
नगर पंचायत घोरावल,
सोनभद्र।

कार्यालय, नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र

06 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 213/न0पं0/2020-21—नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र द्वारा उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 (संशोधन 2011) की धारा 128(1)140(1) 140-क के अन्दर प्रदत्त शक्तियों नगर विकास अनुभाग-9 उ0प्र0 लखनऊ के शासनादेश संख्या 135/9-9-11-190 द्वारा0वि0आ/04, दिनांक 18 मार्च, 2011 शासनादेश संख्या 1278/09-09-2012-205 ज/12 नगर विकास अनुभाग-9, दिनांक 08 जून, 2017 के अनुपालन में नगर सीमान्तर्गत भवनों/भूमियों तथा सम्पत्तियों के गृहकर, जलकर स्वमूल्यांकन स्वकर निर्धारण नियमावली वर्ष 2019 बनाई गयी जो राजकीय गजट में प्रकाशन के पश्चात् लागू होगी उक्त नियमावली उपविधि पर कोई आपत्ति/सुझाव प्रकाशन से 30 दिन के भीतर लिखित रूप से अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पंचायत घोरावल को सम्बोधित करते हुए प्राप्त करा सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् किसी भी आपत्ति एवं सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपविधि

1—संक्षिप्त नाम अर्थ परिभाषा एवं प्रकाशन (क)—

यह नियमावली स्वकर निर्धारण नियमावली, नगर पंचायत, घोरावल के नाम से जानी जायेगी जिसका तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल की सीमा में स्थित भूमि/भवन या दोनों के करारोपण से है। स्वकर निर्धारण प्रणाली के तहत भवन स्वामी स्वयं ही अपने भवन की माप कर नियमावली में उल्लिखित दरों के आधार पर आंगणन कर गृहकर, जलकर का निर्धारण कर सकेगा, उक्त नियमावली गजट प्रकाशन के दिनांक से प्रभावी होगा।

(ख) इस नियमावली में—

- (1) “नगर पंचायत” से तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र से है।
- (2) “अधिनियम” से तात्पर्य उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।
- (3) “अधिशासी अधिकारी” से तात्पर्य अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, घोरावल से है।
- (4) “अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड” का तात्पर्य नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र के अध्यक्ष/प्रशासक/ बोर्ड से है।
- (5) “सम्पत्ति” का तात्पर्य नगर पंचायत सीमा में स्थित भूमि/भवन या दोनों से है।
- (6) “स्वकर निर्धारण” का तात्पर्य किसी स्वामी या अध्यासी द्वारा इस नियमावली से संलग्न प्रपत्र “क” में दाखिल किए जाने वाले स्वतः निर्धारण विवरण से है।
- (7) “आवासीय भवन” से तात्पर्य ऐसे भवनों से है जिसकी प्रत्येक इकाई उसके रहने वाले व्यक्ति के अध्यासन से हो आवासीय उपयोग के प्राविधान से किन्तु उसमें व्यवसायिक उद्देश्य के उपयोग हेतु होटल/लाज, दुकान या अन्य किसी प्रकार के भवन सम्मिलित नहीं होंगे।
- (8) “अनावासीय भवन” अनावासीय भवन या व्यवसायिक भवन का तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसका प्रयोग व्यवसायिक/अधोमानक/गैर आवासीय गतिविधियों हेतु किया जाता है।
- (9) “पक्का भवन” से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी दीवार ईट/पत्थर या ऐसे किसी सामग्री से निर्मित हो जिसकी छत आर0सी0सी0 व आर0बी0सी0 पद्धति से निर्मित हो।

- (10) "अर्द्धपक्का भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत पटिया गार्डर सीमेन्ट/लोहा चद्दरों /फाईबर से निर्मित हो।
- (11) "कच्चा भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जो छप्पर टीनशेड प्लास्टिक आदि से निर्मित हो।
- (12) "खाली प्लाट" से तात्पर्य अकृषित भूमि से है।
- (13) "मासिक किराया दर" से तात्पर्य इस नियमावली में भवनों/भूमि कार्पेट आच्छादित क्षेत्रफल के लिए निर्धारित प्रति वर्ग फुट मासिक किराये से है।

2-कार्पेट एरिया एवं वार्षिक मूल्य (ए0आर0पी0)-

(क) अधिनियम की धारा 140(1) खण्ड (क) के अनुसार वार्षिक मूल्य से तात्पर्य इस नियमावली के अनुसार नियत आवासीय/अनावासीय दोनों के प्रतिवर्ग फुट मासिक किराया की दर से नियत किए जाने वाले गुणक से गुणा करने पर प्राप्त का 12 गुना मूल्य से है।

वार्षिक मूल्य=आवासीय/अनावासीय क्षेत्रफलका कार्पेट एरिया×निर्धारित प्रति इकाई क्षेत्रफल का मासिक किराया दर ×12।

वार्षिक मूल्य की गणना हेतु कार्पेट एरिया की गणना निम्न अनुसार की जाय-

- (1) कमरे-आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।
- (2) आच्छादित बरामदा-आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।
- (3) बालकनी, रसोई गैलरी भण्डार आन्तरिक आयाम की 50% माप।
- (4) गैराज आन्तरिक आयाम की एक चोथाई माप।
- (5) स्नानागार, शौचालय और सीढ़ी द्वारा आच्छादित क्षेत्र कार्पेट एरिया का भाग नहीं होगा।

प्रमुख मार्गों पर स्थित भवनों पर मासिक किराया दर-

| क्र० सं० | | पक्का | अर्द्धपक्का | कच्चा | वाणिज्य | खाली भूमि |
|----------|--|-------|-------------|-------|---------|-----------|
| 1 | मुख्य मार्ग मीरजापुर रोड सीमा से मुख्य बाजा होते हुये राबर्टसगंज सीमा तक | 0.50 | 0.40 | 0.30 | 0.70 | 0.15 |
| 2 | श्रीप्रकाश तिराहे से शिवद्वार मार्ग पूर्वी एवं पश्चिमी पटरी नगर पंचायत सीमा तक | 0.50 | 0.40 | 0.30 | 0.70 | 0.15 |
| 3 | दुर्गाजी मंदिर तिराहे से गुस्वल मार्ग नगर पंचायत सीमा तक | 0.50 | 0.40 | 0.30 | 0.70 | 0.15 |
| 4 | शिवद्वार मार्ग से कोहरथा रोड नगर पंचायत सीमा तक | 0.50 | 0.40 | 0.30 | 0.70 | 0.15 |
| 5 | मुख्या तिराहे से मुख्या रोड नगर पंचायत सीमा तक | 0.50 | 0.40 | 0.30 | 0.70 | 0.15 |

इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण मार्ग पर स्थित भवन-

| क्र० सं० | | पक्का | अर्द्धपक्का | कच्चा | वाणिज्य | खाली भूमि |
|----------|---|-------|-------------|-------|---------|-----------|
| 1 | भारतीय विद्यालय मार्ग यादव बस्ती, हरिजन बस्ती बन विभाग के पीछे थाना रोड कोहरथा गली मार्ग शिवद्वारा रोड से भारतीय विद्यालय लिए कोहरथा रोड सोनान्वल गली उसरहवा बस्ती कुशवाहा बस्ती गली कांशीराम आवास के पास प्राथमिक विद्यालय दीवानजी पूरा अन्य सम्पर्क मार्ग | 0.40 | 0.35 | 0.15 | 0.50 | 0.15 |

भवन/सम्पत्ति का पूर्ण विवरण निर्धारित प्रपत्र "क" पर भरकर नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र के कार्यालय में जमा किया जा सकेगा, यदि भविष्य में भवन विस्तार या प्रयोग में कोई परिवर्तन होता है तो विवरण प्रपत्र "ख" में भरकर नगर पंचायत, कार्यालय में जमा किया जा सकेगा।

प्रपत्र "क" एवं "ख" निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकेगा।

1—गृहकर वार्षिक मूल्य का 10% जलकर वार्षिक का 5% होगा। जिसे प्रत्येक 2 वर्ष पर अधिशासी अधिकारी द्वारा 10% तक बढ़ाया जायेगा। दस प्रतिशत से अधिक की वृद्धि बोर्ड की स्वीकृति के उपरान्त किया जा सकेगा।

2—जिस सम्पत्ति का वर्तमान मूल्यांकन के मूल्य का 5% रु0 360.00 से अधिक होगा उस पर जलकर देय होगा यदि सम्पत्ति के वार्षिक मूल्यांकन के 5% रु0 360.00 से कम है उस पर जलमूल्य देय होगा।

3—जब कभी भवन के कार्पेट एरिया/भूमि के क्षेत्रफल अथवा दोनों में परिवर्तन या परिवर्द्धन किया जाता है तो 03 माह के अन्दर भवन स्वामी द्वारा प्रपत्र "ख" में पुनः विवरण प्रस्तुत करना होगा।

4—निम्नलिखित सम्पत्तियां करों के उद्धरण से मुक्त होंगी।

(1) भवन एवं भूमि या उनके भाग जिनका अधिभोग और उपयोग सार्वजनिक यूज के लिए किया जाता हो।

(2) समस्त भवन एवं परिसम्पत्तियां जो नगर पंचायत, घोरावल के स्वामित्व में हों।

कर की देयता—

(क) गृह कर की देयता वार्षिक होगी अर्थात् 01 अप्रैल से 31 मार्च तक होगी यदि कर की धनराशि अधिक जमा कर ली गयी है तो जाँच उपरान्त अधिक जमा की गयी राशि वापसी किसी भी दशा में नहीं की जायेगी उक्त समायोजन अगले वित्तीय वर्ष में किया जाय।

(ख) स्वामी या अध्यासी पर कर की देयता अधिक होगी जिसे प्रत्येक दशा में 31 मार्च के पहले जमा करना होगा।

(ग) जिन भवनों/व्यापारिक भवनों में किरायेदार और सर्वे में भवन स्वामी का पता नहीं चलता ऐसे भवनों के किरायेदार/अध्यासी को गृहकर का भुगतान करना होगा परन्तु करों के भुगतान से उनका स्वामित्व सिद्ध नहीं होगा।

(घ) यदि एक ही घर में कई परिवार या हाउस होल्ड है तो आपसी सहमति से अलग-अलग कर दे सकेंगे जिनका निर्धारण नियमावली के बिन्दु संख्या 02 के कार्पेट स्थाई व वार्षिक मूल्यांकन के आधार पर किया जायेगा।

सम्पत्ति को दर्ज कराने व सम्पत्ति के हस्तान्तरण के सम्बंध में उपबंध—

(क) कोई भी व्यक्ति किसी भी भवन या भूमि पर अपनी अध्यासी अथवा स्वामी के रूप में पर्याप्त साक्ष्य के साथ अंकित करना चाहता है, तो उसे निर्धारित प्रपत्र "क" पर आवेदन करना होगा यदि उसके नाम के सम्बंध में कोई आवेदन निरस्त करने हेतु विचाराधीन है तो उसका उल्लेख लिखित रूप से किया जायेगा अथवा उसके बाद कर के सूची में आवेदन के अनुसार नाम निर्धारण सूची में अंकित कर दिया जायेगा।

(ख) यदि किसी कर दाता अथवा भवन/भूमि/अध्यासी की मृत्यु हो जाती है तो उसके वारिस द्वारा मृत्यु के दिनांक से तीन माह के भीतर लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा।

शक्ति—

उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत, घोरावल, सोनभद्र यह निर्देश देती है कि —

(1) उपर्युक्त विनियमावली के किसी भी नियम का उल्लंघन करना दण्डनीय अपराध होगा। जिसके जुर्माने की सीमा रु0 1,000.00 तक हो सकती है और यदि उल्लंघन जारी रहा तो प्रथम दोष सिद्ध होने के दिनांक के पश्चात् से प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में ये सिद्ध हो जाये कि अपराधी अपराध करता रहा है। अतिरिक्त जुर्माना किया जा सकता है जो रु0 25.00 (पच्चीस रु0) प्रतिदिन हो सकता है।

(2) कार्पेट एरिया में 10% या उससे अधिक के परिवर्तन होने पर या प्रयोग बदलने पर निर्माण पूर्ण होने या प्रयोग बदलने के तीन माह के भीतर अध्यासी को निर्धारित प्रारूप "ख" पर देनी होगी ऐसा न करने पर असमर्थ पाये जाने पर रु0 1,000.00 (एक हजार रु0) अर्थदण्ड देय होगा।

(3) निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वामी द्वारा विवरण न प्रस्तुत किए जाने की स्थिति में या कार्पेट एरिया को छुपाकर कम क्षेत्रफल का विवरण देने या भूमि भवन का उपयोग बदलने की स्थिति की सूचना तीन माह के भीतर न देने की स्थिति में रु0 1000.00 अर्थ दण्ड देय होगा।

(4) नियम 07 के उपनियम 1, 2, 3 के अधीन शक्तियों का प्रशमन अधिशासी अधिकारी अथवा उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी/कर्मचारी द्वारा शक्ति के अधिकतम धनराशि के एक तिहाई से अन्यून तथा आधे से अनधिक धनराशि पर किया जा सकेगा में निर्दिष्ट किसी बात के होते हुए।

प्रपत्र "क"

अनावासीय/अध्यावासीक भवनों के सम्बंध में सम्पत्ति कर स्वतः निर्धारण प्रपत्र

1-स्वामी/अध्यासी का विवरण-

- (1) स्वामी/अध्यासी का नाम-.....
- (2) स्वामी/अध्यासी के पिता का नाम-.....
- (3) भवन/मकान भू-भाग पर स्थित-.....
- (4) भवन/मकान/भू-खण्ड संख्या और अवस्थिति का पता-.....
- (5) स्वामी के आवास का पता-.....

2-अन्य विवरण भवन भूमि सम्बंधी ब्यौरा-

- (1) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल (वर्ग फुट में).....
- (2) खुली भूमि का क्षेत्रफल (वर्ग फुट में).....
- (3) अन्य विवरण (यदि कोई हो).....

3-अवस्थिति का विवरण-

- (1) मुख्य मार्ग पर स्थित भवन-.....
- (2) मुख्य मार्ग के अतिरिक्त स्थित भवन-.....

4-भवन निर्माण की प्रकृति-

- (1) पक्का, आर0सी0सी0 छत या आर0बी0 छत सहित
- (2) अन्य पक्का भवन, अस्वेस्टोज, फाईबर या टीनशेड,
- (3) कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन जो 01 और 02 में आच्छादित नहीं है।

5-भवन निर्माण का वर्ष-.....

6-भवन के वार्षिक मूल्य की गणना-

आच्छादित क्षेत्रफल × मासिक दर × 12 (तीन) × (चार) × 12)

7-भूमि का वार्षिक मूल्य-

आच्छादित क्षेत्रफल × मासिक दर × 12 (तीन) × (चार) × 12)

सत्यापन

मैं.....वार्ड सं0.....के मोहल्ला.....में स्थित भवन सं0.....का स्वामी/अध्यासी एतद्वारा घोषित करता/करती हूँ कि इस प्रपत्र में प्रस्तुत किए गये ब्यौरे मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और पूर्ण है। उसमें अन्तर्विनिर्दिष्ट किसी बात को न तो छिपाया गया है। और न ही मिथ्या उल्लिखित किया गया है।

दिनांक-.....

स्वामी/अध्यासी का नाम
व हस्ताक्षर।

प्रपत्र "ख"

आवासीय/अध्यासीक भवनों के सम्बंध में सम्पत्ति कर स्वतः निर्धारण प्रपत्र

1-स्वामी/अध्यासी का विवरण-

- (1) स्वामी/अध्यासी का नाम-----
- (2) स्वामी/अध्यासी के पिता का नाम-----
- (3) भवन/मकान भू-भाग पर स्थित-----
- (4) भवन/मकान/भू-खण्ड संख्या और अवस्थिति का पता-----
- (5) स्वामी के आवास का पता-----

2-अन्य विवरण भवन भूमि सम्बंधी व्यौरा-

- (1) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल (वर्ग फुट में)-----
- (2) खुली भूमि का क्षेत्रफल (वर्ग फुट में)-----
- (3) अन्य विवरण (यदि कोई हो)-----

3-अवस्थिति का विवरण-

- (1) मुख्य मार्ग पर स्थित भवन-----
- (2) मुख्य मार्ग के अतिरिक्त स्थित भवन-----

4-भवन निर्माण कि प्रकृति-

- (1) पक्का, आर0सी0सी0 छत या आर0बी0 छत सहित
- (2) अन्य पक्का भवन, अस्वेस्टोज, फाईबर या टीनशेड,
- (3) कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन जो 01 और 02 में आच्छादित नहीं है।

5-भवन निर्माण का वर्ष-----

6-भवन के वार्षिक मूल्य की गणना-

आच्छादित क्षेत्रफल × मासिक दर × 12 (तीन) × (चार) × 12)

7-भूमि का वार्षिक मूल्य-

आच्छादित क्षेत्रफल × मासिक दर × 12 (तीन) × (चार) × 12)

सत्यापन

मैं.....वार्ड सं0.....के मोहल्ला.....में स्थित भवन सं0.....का स्वामी/अध्यासी एतद्वारा घोषित करता/करती हूँ कि इस प्रपत्र में प्रस्तुत किए गये व्यौरे मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और पूर्ण है। उसमें अन्तर्विनिर्दिष्ट किसी बात को न तो छिपाया गया है और न ही मिथ्या उल्लिखित किया गया है।

दिनांक :

स्वामी/अध्यासी का नाम
व हस्ताक्षर।

ह0(अस्पष्ट)
अध्यक्ष,
नगर पंचायत, घोरावल,
सोनभद्र।

कार्यालय, नगर पंचायत, स्वामीबाग, आगरा

26 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 721/न0पं0स्वा0/20/20—नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 के अधीन नगर पंचायत स्वामीबाग, आगरा (उ0प्र0) द्वारा अपने नगर क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपविधि बनायी गयी है। इस उपविधि को 'हिन्दुस्तान' एवं 'दैनिक जागरण' समाचार-पत्रों में दिनांक 19 सितम्बर, 2019 को प्रकाशित कर 30 दिवस में स्थानीय स्तर पर आपत्ति एवं सुझाव आमन्त्रित किये गये थे। निर्धारित अवधि के अन्दर एक मात्र सुझाव/आपत्ति प्राप्त हुयी जिसका निस्तारण दिनांक 16 अक्टूबर, 2019 की बोर्ड बैठक में करते हुए दिनांक 15 नवम्बर, 2019 को उपविधि का अन्तिम प्रकाशन किया गया था। अब यह उपविधि उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 के अन्तर्गत शासकीय गजट में प्रकाशित की जाती हैं। यह उपविधि शासकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

उपविधि

1—संक्षिप्त नाम व प्रारम्भ—

(क) यह उपविधि नगर पंचायत स्वामीबाग को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उपविधि, 2019 कहलायेगी।

(ख) यह उपविधि गजट प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त/प्रभावी होगी।

2—उक्त उपविधि नगर पंचायत स्वामीबाग, जनपद आगरा के सीमान्तर्गत लागू होगी।

3—इस उपविधि में 'अध्यक्ष' का तात्पर्य नगर पंचायत स्वामीबाग जनपद आगरा के अध्यक्ष से है।

4—इस उपविधि में 'अधिशाली अधिकारी' का तात्पर्य नगर पंचायत स्वामीबाग जनपद आगरा के अधिशाली अधिकारी से है।

5—'प्राधिकारी' का अर्थ नगर पंचायत स्वामीबाग के अधिशाली अधिकारी से है।

6—'अधिनियम' का तात्पर्य नगर पालिका अधिनियम, 1916 से है।

1—समस्त निवासियों के लिये अनिवार्य होगा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 में उल्लिखित नियमों के अनुसार अपने स्थल पर उत्सर्जित/उनके द्वारा उत्पन्न किये गये अपशिष्ट को उद्गम स्थल पर दो पृथक हिस्सों में गीला व सूखा क्रमशः हरा व नीला ढक्कनयुक्त कचरा पात्र में भण्डारित करना होगा व दिन में एक बार ही नगर पंचायत स्वामीबाग द्वारा निर्धारित कूड़ा चुनने वाले अथवा डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहकर्ता को निर्धारित मासिक शुल्क देकर निस्तारण सुनिश्चित कराना होगा ताकि आम सड़कों, मार्गों पर पंचायत द्वारा स्वच्छ करने के पश्चात् किसी प्रकार की गन्दगी, कूड़ा करकट नही फैले।

2—कोई व्यक्ति व संस्था निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट को पृथक रूप से अपने परिसर में भण्डारित करेगा। एवं construction & demolition waste rule, 2016 के अनुसार निपटान करेगा।

3—नगर में स्थित सभी आवासीय एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के प्रबंधन की यह जिम्मेदारी होगी कि वह आवश्यक घनत्व में उपयुक्त स्थान पर आवश्यक संख्या में अपने स्वयं के कन्टेनर (नीले व हरा रंग के) स्थापित करेगा, जिसमें दैनिक उत्सर्जित कचरे का पृथक-पृथक भण्डारण हो सके, जिसका निस्तारण नगर पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज देकर करायेगा।

4—कोई भी व्यक्ति/ नागरिक अपशिष्ट को गली/मार्गों, खुले सार्वजनिक स्थानों, नाला/नाली या जलाशयों में न फेंकेगा, न जलायेगा और न ही गाड़ेगा। उपविधि का पालन न करने की दशा में रु0 5,000.00 का जुर्माना वसूल किया जायेगा अथवा न्यायालय में अभियोग दायर किया जा सकेगा।

5—कोई भी व्यक्ति/ नागरिक अपने आवास के समीप खाली स्थानों पर कूड़ा नही डालेगा, न डालने देगा। कूड़े के समीप के निवासी को जिम्मेदार समझा जायेगा, जिसके लिये निकाय निर्धारित चालान करने में समर्थ होगा एवं अभियोग दायर किया जा सकेगा।

6—फल एवं सब्जी बाजारों के अपशिष्ट को ऐसे व्यवसायियों को स्वतः अपना प्रबंधन कर नियमानुसार नगर पंचायत को मासिक यूजर चार्ज देकर निस्तारण सुनिश्चित करना होगा।

7-क्लीनिक, पैथोलॉजी, लेबोरेटोरी, आदि के जैव चिकित्सीय अपशिष्ट को नगरीय ठोस अपशिष्ट के साथ नहीं मिलाया जायेगा। क्लीनिक, पैथोलॉजी, आदि के प्रबन्धन द्वारा जैव चिकित्सीय अपशिष्ट नियम-2016 के निर्देशानुसार जैव चिकित्सीय अपशिष्ट का प्रबन्धन स्वयं सुनिश्चित करना होगा एवं नगरीय ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन नगर पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज देकर सुनिश्चित कराया जायेगा।

8-कोई भी व्यक्ति/निवासी अपने परिसर से उत्पन्न कृषि उद्यान अपशिष्ट और उद्यान अपशिष्ट को अपने ही परिसर में पृथक रूप से भण्डारित करेगा और समय-समय पर निकाय द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज देकर निपटान करेगा।

9- कोई भी व्यक्ति/व्यवसायी निर्माण सामग्री को किसी भी दशा में सार्वजनिक मार्गों व सार्वजनिक स्थानों पर नहीं डालेगा। अनाधिकृत रूप से निजी मलवा/सामग्री डालना अधिनियम व नियमों के तहत दण्डनीय अपराध होगा।

10-अपशिष्ट कूड़ा करकट, सूखी पत्तियों को जलाया नहीं जायेगा।

11-कोई भी व्यक्ति अग्रिम रूप से कम से कम तीन दिवस पूर्व नगर पंचायत को सूचित किये बगैर किसी गैर अनुज्ञप्ति वाले स्थान पर एक सौ व्यक्ति से अधिक का ऐसा कोई भी आयोजन या समारोह आयोजित नहीं करेगा। ऐसा व्यक्ति या आयोजक, आयोजन स्रोत पर अपशिष्ट के पृथक भण्डारण की व्यवस्था करेगा और पृथक अपशिष्ट को पंचायत द्वारा निर्धारित यूजर चार्ज जमा कर नियोजित अपशिष्ट संग्रहण अधिकरण को सौंपेगा।

12-मार्ग विक्रेता जिसके अन्तर्गत फेरी वाला, सार्वजनिक पार्कों, सार्वजनिक स्थानों, या प्राइवेट स्थानों पर स्थायी निर्मित संरचना, पर या घूम-घूम कर व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को उनके द्वारा उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के निपटान हेतु ढक्कन युक्त कूड़ा पात्र रखना होगा।

13-कोई भी व्यक्ति नगर पंचायत द्वारा स्थापित अपशिष्ट कूड़ेदान के बाहर कूड़ा नहीं फेंकेगा निर्धारित कूड़ेदान में निर्धारित अपशिष्ट डालेगा।

14-कोई भी व्यक्ति अपने भवन, संस्थान, व्यापारिक प्रतिष्ठान से गंदा पानी, कीचड़, नाईट स्वाइल गोबर, मलमूत्र, दूषित जल अपने परिसर में किसी भी प्रकार से एकत्रित नहीं करेगा, न ही सार्वजनिक मार्गों एवं नालियों में बहने देगा जिससे वातावरण दुर्गन्ध से प्रदूषित हो व जन स्वास्थ्य को हानि होने की संभावना हो अथवा आवागमन में बाधक हो अन्यथा उसके विरुद्ध जुर्माना वसूल किया जायेगा एवं न्यायालय में अभियोजन किया जा सकेगा।

15-नगर पंचायत सीमा के अन्दर खुले में शौच करने वाले व्यक्तियों से एक सौ रुपये एवं पेशाब करने वाले व्यक्तियों पर पचास रुपये जुर्माना वसूल जायेगा जिसकी अदायगी व्यक्ति को तुरन्त करनी होगी।

16-कोई भी व्यक्ति/निवासी सरकारी भवनों, चौराहों एवं दीवारों व गेटों पर निजी व व्यापारिक प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर व स्लोगन नहीं लिखायेगा।

17-यह कि मा0 उच्च न्यायालय की सुनवाई दिनांक 09 नवम्बर, 2016 व नगर विकास अनुभाग-5 के आदेश सं0 3595/मौ-5-2016-29रिट/2014, दिनांक 08 नवम्बर, 2016 के अनुपालन में सड़क के किनारे भवन निर्माण अवशेष रखने पर आर्थिक दण्ड वसूल किया जायेगा।

नगर पंचायत स्वामीबाग, जनपद आगरा की सीमा के भीतर स्थित आवासीय, गैर आवासीय, सरकारी भवन अर्द्ध सरकारी भवन, क्लीनिक, विद्यालय सभी संस्थानों आदि से कचरा संग्रह योजना के तहत यूजर चार्ज दरें निम्नानुसार प्रस्तावित हैं-

| क्र० सं० | उपयोग का प्रकार | अवधि | प्रस्तावित दरें |
|----------|---|----------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | | | रु० |
| 1 | आवासीय भवनों पर | प्रतिमाह | 50.00 |
| 2 | व्यवसायिक प्रतिष्ठान | | 75.00 |
| 3 | सभी प्रकार के रेस्टोरेन्ट/हलवाई की दुकान/प्लेग्रुप/ गेस्टहाउस/ क्लीनिक/पैथोलॉजी/लेबोरेटोरी, एक्सरे, चिकित्सीय कूड़ा रहित/व्यूटी पार्लर, सैलून | प्रतिमाह | 600.00 |
| 4 | इलेक्ट्रीकल शांप, फोटो स्टेट, कपड़े की थोक/रिटेल शांप व्यावसायिक काम्प्लेक्स | प्रतिमाह | 120.00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|---|----------|--------|
| | | | रु0 |
| 5 | पी0जी0/हास्टल | | |
| | (क) 1-5 छात्र/छात्राओं पर | प्रतिमाह | 150.00 |
| | (ख) 6-10 छात्र/छात्राओं पर | प्रतिमाह | 300.00 |
| | (ग) 10 से अधिक छात्र/छात्राओं पर | प्रतिमाह | 600.00 |
| 6 | सरकारी कार्यालय, बैंक | प्रतिमाह | 600.00 |
| 7 | पथ विक्रेता/मार्ग विक्रेता | प्रतिमाह | 200.00 |
| 8 | व्यावसायिक दुकानें (खाद्य एवं पेय पदार्थ/बिना खाद्य एवं पेय पदार्थ की बिक्री, पान की दुकान) | प्रतिमाह | 200.00 |
| 9 | कबाड़ी आदि रद्दी का संग्रह करने वाला | प्रतिमाह | 200.00 |
| 10 | जूस/गन्ने का जूस विक्रेता, मार्ग विक्रेता | प्रतिमाह | 200.00 |
| 11 | खुले में शौच/पेशाब जाने पर | प्रतिमाह | 100.00 |
| 12 | उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य | प्रतिमाह | 200.00 |

नगर पालिका की शक्ति

1-नगर पंचायत क्षेत्र में नगरीय ठोस अपशिष्ट या कूड़ा करकट फैलाना प्रतिषेध होगा, यदि कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थलों मार्गों, निजी खुले स्थलों, पार्कों, पानी के स्रोतों, इत्यादि पर गन्दगी, कूड़ा करकट फैलाते व रखते पाया जाता है तो प्राधिकृत अधिकारी जो निरीक्षक के स्तर से कम का नहीं हो अथवा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधिकृत कर्मचारी संलग्नक अनुसूची-‘अ’ में घोषित/समय पर निकाय द्वारा निर्धारित जुर्माना (केयरिंग चार्ज) ऐसे दोषी व्यक्तियों से मौके पर ही वसूल करने में सक्षम होगा।

2-नियम को लागू करने हेतु जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी द्वारा इसे शक्ति से लागू कराया जायेगा, लागू कराने में असक्षम/लापरवाही/असमर्थ अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध नगर पालिका अधिनियम, 1916 में उल्लिखित नियमों के अधीन सख्त कार्यवाही का अधिकार ‘प्राधिकारी’ को होगा।

4 “अनुसूची – अ”

उपविधियों के उल्लंघन में किये गये कृत्यों के लिए निर्धारित केयरिंग चार्ज का विवरण निम्नानुसार वसूला जायेगा :

| क्र0 सं0 | कृत्य | केयरिंग चार्ज रुपये/ प्रतिदिन (रु0 में) |
|-------------|--|--|
| 1 | 2 | 3 |
| | | रु0 |
| 1 | आवासीय भवन स्वामियों द्वारा खुले में कचरा डालने पर | 100.00 |
| 2 | दुकानदारों द्वारा खुले में कचरा डालने पर | 100.00 |
| 3 | होटल/रेस्टोरेंट मालिकों द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कचरा डालने पर | 2,000.00 |
| 4 | गेस्ट हाऊस मालिकों द्वारा खुले में कचरा डालने पर | 2,000.00 |
| 5 | हलवाई, चाट, पकौड़ी, फास्ट फूड, आईसक्रीम, गन्ने का रस एवं अन्य सब्जी एवं फ्रूट आदि ठेला व्यवसायियों द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा डालने पर | 500.00 |
| 6 | निजी मकान दुकान इत्यादि के निर्माण सामग्री का निस्तारण न करने पर या स्वीकृत अवधि से अधिक समय तक सरकारी भूमि पर रखे जाने पर | 500.00 |
| 7 | बिना सक्षम स्वीकृत के रोड कटिंग करने पर तथा नाली तोड़ने की दशा में वाटर लीकेज की मरम्मत तत्काल न किये जाने पर न0पं0 द्वारा मरम्मत व्यय जुर्माना वसूला जायेगा | 1,000.00 |
| 8 | अपने मकान/भवन का सेप्टिक टैंक न होने/सीवरेज की गन्दगी आम नाली/नाले में बहाने पर | 500.00 |

| 1 | 2 | 3 |
|----|--|-----------------------------------|
| | | रु0 |
| 9 | क्रमांक 2 से 6 तक वर्णित व्यावसायियों द्वारा अपने व्यवसाय स्थल का कचरा एकत्रित रखने के लिए निर्धारित ढक्कनदार कचरा पात्र आवश्यक क्षमता का नहीं रखने पर | 500.00 |
| 10 | शादी/विवाह आदि स्थलों का कूड़ा सार्वजनिक स्थल पर डालने पर | 1,000.00 |
| 11 | सार्वजनिक स्थान, जमीन व सड़क के किनारे ठेले लगाकर सब्जियां बेचकर छिलके व अंश सड़क पर डालने व गन्दगी फैलाने पर | 100.00 |
| 12 | आम रास्ता सड़क, फुटपाथ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर भोजनालय, ढाबा चलाकर गन्दगी फैलाने पर | 1,000.00 |
| 13 | प्राईवेट अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, दवाखाना पैथोलोजी इत्यादि द्वारा आम रास्तों, सड़क फुटपाथ पर गन्दगी डालकर फैलाने पर | 1,000.00 |
| 14 | न0पं0 सीमा से बाहर का कूड़ा न0पं0 सीमान्तर्गत डालने पर प्रथम प्रकरण पर द्वितीय एवं अनवरत प्रकरण पर | 1,000.00 5,000.00 |
| 15 | खुले में व सड़क के किनारे पेशाब करते पाये जाने पर | 100.00 |
| 16 | सड़क पटरी/सार्वजनिक भूमि पर जनरेटर रख अतिक्रमण करने पर | 500.00 |
| 17 | पालतू कुत्तों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर सड़कों पर शौच कराने पर | 100.00 |
| 18 | निजी ट्रैक्टरों द्वारा बजरी, कचरा मलबा गोबर इत्यादि परिवहन करते हुए नगर पंचायत की सड़कों पर अपनी सामग्री बिखरने व गन्दगी फैलाने पर | 500.00 |
| 19 | सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा जलाने पर | 5,000.00 |
| 20 | पानी की टंकी पर बर्तन धोने, ऑटो धोने, कपड़े धोने, नहाने के प्रत्येक प्रकरण पर जुर्माना। द्वितीय एवं अनवरत प्रकरण | 500.00 एवं दण्डात्मक कार्यवाही |

नोट—उपविधि में उल्लिखित उपर्युक्त कृत्य निरन्तर जारी रहने पर अभियोग भी चलाया जा सकेगा।

संजय कपूर,
अध्यक्ष,
नगर पंचायत स्वामीबाग,
आगरा-5।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी बेटी का नाम परवीन दर्ज है। जबकि सही नाम नाजिया परवीन है। भविष्य में उसे नाजिया परवीन पुत्री मोहम्मद अकबर पूर्व सैनिक नं0 110259-R, म0नं0 32 गदियाना 37 न्यू पी0ए0सी0 लाइन, कानपुर 208015 कानपुर के नाम से जाना पहचाना जाये।

मुहम्मद अकबर,
पुत्र स्व0 मोहम्मद इददू,
म0नं0 32 गदियाना, 37 न्यू
पी0ए0सी0 लाइन, कानपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मैं जगदीश प्रसाद पाण्डेय पति स्व0 सरिता पाण्डेय, निवासी ई-4095, सेक्टर-12, राजाजीपुरम, लखनऊ का हूँ।

यह घोषणा करता हूँ मेरे पुत्र आशीष पाण्डेय की अंक तालिका हाईस्कूल (एम0पी0 बोर्ड) एवं इण्टरमीडिएट (यू0पी0 बोर्ड) जिसमें मेरा नाम स्व0 सरिता पाण्डेय के पति का नाम जगदीश कुमार पाण्डेय अंकित है एवं मेरी पत्नी स्व0 सरिता पाण्डेय सेवारत मृतक कनिष्ठ सहायक के सरकारी अभिलेखों में मेरा नाम जगदीश प्रसाद पाण्डेय नामांकित है एवं मेरे पुत्र आशीष पाण्डेय पुत्र स्व0 सरिता पाण्डेय के आधार एवं पैन कार्ड में मेरा नाम जगदीश प्रसाद पाण्डेय लिखा है। मैं यह घोषणा करता हूँ कि उक्त जगदीश कुमार पाण्डेय एवं जगदीश प्रसाद पाण्डेय एक ही व्यक्ति हैं एवं एक ही व्यक्ति का नाम है तथा मेरे द्वारा उक्त सूचना दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को नवभारत हिन्दी समाचार-पत्र, लखनऊ व टाइम्स आफ इण्डिया

इंगलिश उ0प्र0 व मध्य प्रदेश में प्रकाशित किया जा चुका है।

जगदीश प्रसाद पाण्डेय,
पत्नी स्व0 सरिता पाण्डेय,
नि0 ई-4095, सेक्टर-12,
राजाजीपुरम, लखनऊ,
मो0-9889869670।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विनोद कुमार लाल, विनोद कुमार उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। जो अब केवल विनोद कुमार लाल के नाम से ही समझा व पढ़ा जाये।

विनोद कुमार लाल,
निवासी 334-ए, रेलगांव,
रेलवे कालोनी, सूबेदारगंज,
प्रयागराज पिन-211011, उ0प्र0।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी शादी से पूर्व सभी दस्तावेजों में मेरा नाम नीतू तिवारी पुत्री अरुण तिवारी था। शादी के बाद मेरा नाम नीतू तिवारी से नीतू राय पत्नी करुणा निधान राय हो गया है। अतः भविष्य में सभी सरकारी एवं गैर सरकारी दस्तावेजों में मुझे परिवर्तित नाम नीतू राय के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

नीतू राय,
पत्नी श्री करुणा निधान राय,
ई0बी0/55, ए0डी0ए0 कालोनी,
नैनी, प्रयागराज।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है मेसर्स केशव ब्रदर्स, जी0एफ0 324, पंचवटी एन्क्लेव, शताब्दीनगर, दिल्ली रोड, मेरठ की साझीदारी में श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता, श्री पुनीत गोयल एवं श्रीमती ज्योति गोयल थे। दिनांक 15 सितम्बर, 2020 को श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता जी का स्वर्गवास हो चुका है। वर्तमान में फर्म की साझीदारी में श्री पुनीत गोयल एवं श्रीमती ज्योति गोयल साझीदार हैं तथा फर्म का पंजीकृत पता परिवर्तन कर "जी0एफ0 325, पंचवटी एन्क्लेव, शताब्दीनगर, दिल्ली रोड, मेरठ 250103" कर

दिया गया है। यह घोषणा करता हूं कि एतद्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

पुनीत गोयल,
साझीदार,
मेसर्स केशव ब्रदर्स जी0एफ0 324,
पंचवटी एन्क्लेव, शताब्दीनगर,
दिल्ली रोड, मेरठ।

परिवर्तित पता जी0एफ0 325, पंचवटी,
एन्क्लेव, शताब्दीनगर, दिल्ली रोड,
मेरठ-250103।

सूचना

सूचित किया जाता है भागीदार फर्म मेसर्स शान्ती देवी आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज, शर्मा फार्मिनेन्स को, सोमना तिराहा, अलीगढ़ पलवल रोड, खैर, जिला अलीगढ़ के विधान में हुये परिवर्तन की सूचना देता हूं फर्म में श्री सौरभ शर्मा पुत्र श्री आनन्द शर्मा, निवासी ओम नगर, खैर, जिला अलीगढ़ नये भागीदार के रूप में दिनांक 01 अक्टूबर, 2020 से सम्मिलित हो गये हैं तथा पूर्व प्रथम पक्ष श्री गौरव शर्मा पुत्र श्री आनन्द शर्मा, निवासी ओम नगर, खैर, जिला अलीगढ़, दिनांक 01 अक्टूबर, 2020 से अपनी स्वेच्छा से अलग हो गये हैं। अब फर्म में श्रीमती अनुराधा शर्मा एवं श्री सौरभ शर्मा ही भागीदार रह गये हैं।

अनुराधा शर्मा।

सूचना

मे0 न्यू बंसल ग्लास वर्क्स, ग्राम जिजौली, पोस्ट मखनपुर, जिला फिरोजाबाद के विधान में हुये परिवर्तन की सूचना इस प्रकार है फर्म में श्रीमती हंसमुखी देवी बंसल पत्नी स्व0 श्री ओमप्रकाश बंसल, 263 आगरा गेट, फिरोजाबाद नई भागीदार के रूप में 01 अक्टूबर, 2020 से सम्मिलित हो गयी हैं तथा पूर्व द्वितीय पक्ष श्रीमती संगीता बंसल पत्नी स्व0 मनोज बंसल, निवासी 263 आगरा गेट, फिरोजाबाद, दिनांक 01 अक्टूबर, 2020 से अपनी स्वेच्छा से भागीदारी से अलग हो गयी हैं।

विश्व नू बंसल,
पुत्र स्व0 ओम प्रकाश,
निवासी 263, आगरा गेट,
फिरोजाबाद।

सूचना

मे0 मैसकोट इंजीनियरिंग 07 प्रीति बिहार गोयल मार्केट चन्द्रपुरी धौली प्याऊ, मथुरा की भागीदारी से दिनांक 01 अप्रैल, 2020 को मनीष पाल अपनी स्वेच्छा से पृथक् हुये, तद्दिनांक को श्रीमती भगवान देवी सम्मिलित हुई। वर्तमान में भागीदार कारेलाल श्रीमती भावना देवी हैं।

श्री कारेलाल,
पुत्र श्री करन सिंह,
मं0नं0 आई बी/2130,
बहादुरपुरा, मथुरा।

सूचना

सूचित किया जाता है फर्म मे0 श्री कृष्णा आईस एण्ड कोल्ड स्टोरेज, तोमर ग्रीन्स, ढूढी नगर रोड खैर, जिला अलीगढ़ के विधान में हुये परिवर्तन की सूचना देता हूँ-फर्म में कु0 गीतांजली तोमर पुत्री श्री मुकेश तोमर, निवासी मं0नं0 325, सेक्टर-31, फरीदाबाद नई भागीदार के रूप में दिनांक 18 सितम्बर, 2020 से सम्मिलित हो गयी हैं तथा पूर्व द्वितीय पक्ष श्रीमती शालिनी मित्रा पत्नी श्री अरुण कुमार मित्रा, निवासी फ्लैट नं0 3-ई, कालीबाड़ी अपार्टमेन्ट, प्लॉट नं0 जी0एच0 15, सेक्टर-21 डी, फरीदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 2020 से उक्त फर्म से अलग हो गयी हैं। अब फर्म में श्री मुकेश तोमर व कु0 गीतांजली तोमर ही भागीदार रह गये हैं।

मुकेश तोमर।

सूचना

मे0 राधे कृष्णा एगो एण्ड फूड प्रोडक्ट्स इम्पैक्स एटा एजी 15179 में दिनांक 17 अगस्त, 2020 को आजाद कुमार गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता अपनी स्वेच्छा से फर्म की भागीदारी से अलग हुये। वर्तमान में धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, रोहित गुप्ता, राहुल गुप्ता साझेदार हैं।

धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता,
पुत्र श्री अशोक कुमार गुप्ता, (साझेदार)
निवासी ए-52 रश्मि नगर
कमला नगर, आगरा।

सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स वीना ट्रेडर्स, 9/1054, इन्दिरा नगर, जिला लखनऊ की साझेदारी फर्म 1932 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है जिसमें दिनांक 02 नवम्बर, 2020 को एक नये साझेदार श्री सुशील कुमार सिंह पुत्र

श्री घनश्याम सिंह शामिल हो गये हैं। वर्तमान में फर्म की साझेदारी में श्री नान्हूराम जायसवाल, श्री अभिषेक जायसवाल, श्री सुशील कुमार सिंह, श्रीमती पूजा जायसवाल, श्री शब्बन साझेदार हैं। जिसकी सूचना दी जा रही है।

साझेदार,
अभिषेक जायसवाल,
9/1054, इन्दिरानगर,
जिला लखनऊ।

सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स अलमदनी राइस मिल, ग्राम अकबरपुर दबौली, पोस्ट थाना, जिला उन्नाव की साझेदारी फर्म 1932 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है जिसमें चार साझेदार तफसीर अहमद पुत्र सगीर अहमद, मो0 इकरार पुत्र अब्दुल गफ्फार, मो0 इसरार पुत्र अब्दुल जब्बार एवं उमेश चन्द्र पुत्र रमेश चन्द्र साझेदार थे, जिसमें दिनांक 24 अक्टूबर, 2019 से मो0 इसरार एवं उमेश चन्द्र आपसी सहमति से फर्म की साझेदारी से स्वेच्छा पूर्वक निकल रहे हैं वर्तमान में दो साझेदार क्रमशः तफसीर अहमद एवं मो0 इकरार साझेदार हैं जिसकी सूचना दी जा रही है।

साझेदार,
तफसीर अहमद,
साझेदार-अलमदनी राइस मिल,
जिला उन्नाव।

सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स महादेव एसोसियेट, ए0आई0आई0एम0 गेट, मुंशीगंज, जिला रायबरेली की साझेदारी फर्म 1932 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है, जिसमें दिनांक 20 अगस्त, 2020 से फर्म के साझेदार श्री बृजेन्द्र कुमार पुत्र महादेव एवं श्री विकास कुमार पुत्र श्री महादेव आपसी सहमति से फर्म की साझेदारी से अलग हो गये हैं, जिस कारण फर्म विघटित होकर समाप्त हो गयी है, जिसकी सूचना दी जा रही है।

विकास कुमार,
साझेदार,
महादेव एसोसियेट,
जिला रायबरेली।